

अनितम्

OXFORD

ऑक्सफ़र्ड
स्टूडेंट
एटलस
(भारत संस्करण)

अभ्यास
प्रश्नावली सहित
प्रतियोगी परीक्षाओं
के लिए उपयोगी

ब्रह्मांड

सौर मण्डल का उद्भव 46,000 लाख वर्ष पूर्व हुआ था। यह आकाश गंगा के ओरियन (मृग) शाखिका में स्थित है, जो केन्द्रीय उभार से दो-तिहाई की दूरी पर है तथा आकाश गंगा के केन्द्र से 27,000 प्रकाश वर्ष दूर है। सौर मण्डल को आकाश गंगा का परिभ्रमण करने में लगभग 2,200 लाख वर्ष का समय लगता है।

सौर ग्रहों को धीतरी क्रम में विभाजित किया जा सकता है, जिसमें चार ठोस लघु ग्रह हैं, जिनकी संरचना पृथ्वी से मिलती-जुलती है। बाहरी क्रम में चार बड़े ग्रह हैं, जिन्हें 'गैस जायन्ट्स' कहते हैं, तथा जिनके कई छल्ले एवं ग्रह हैं। 'गैस जायन्ट्स' मुख्यतः हाइड्रोजन, हिलियम, हिमीभूत जल, अमोनिया, मीथेन और कार्बन-डायऑक्साइड से बने हैं। कुबेर ग्रह (प्लूटो) किसी क्रम में नहीं आता, किंतु सौर मण्डल के छोर पर वह एक क्षुद्र चट्टानी ग्रह है। कुछ लोगों के विचार में कुबेर ग्रह एक विशाल धूमकेतु है न कि एक ग्रह। इसकी संरचना एक धूमकेतु (बर्फ एवं चट्टान) के समान है, परन्तु उसका परिक्रमा पथ अन्य धूमकेतुओं और ग्रहों से भिन्न है। इन दो ग्रहीय क्रमों के मध्य में तारकाय पट्टी है, जिसमें विभिन्न आकार के चट्टान खंड होते हैं।



ग्रह सारिणी

ग्रह	सूर्य से औसत दूरी (लाख कि. मी.)	परिक्रमण समय	व्यास (कि. मी.)	उपग्रहों की संख्या
बुध	5.79	88.0 दिन	4,879	0
शुक्र	10.82	224.7 दिन	12,104	0
पृथ्वी	14.96	365.3 दिन	12,756	1
मंगल	22.79	687.0 दिन	6,787	2
बृहस्पति	77.84	11.86 वर्ष	142,800	64
शनि	142.67	29.46 वर्ष	120,660	62
अरुण	287.10	84.01 वर्ष	51,118	27
वरुण	449.87	164.8 वर्ष	49,528	13

क्षुद्र ग्रह एवं प्लूटॉइड्स

कुबेर ग्रह (प्लूटो) जो 1930 से एक ग्रह माना गया था, 24 अगस्त 2006 में अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आइ. ए. यू.) द्वारा 'क्षुद्र ग्रह' के तौर पर पुनः वर्गीकृत किया गया है।

आइ. ए. यू. के अनुसार, क्षुद्र ग्रह निम्न मानकों को पूरा करते हैं:

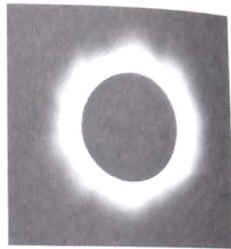
- वह सूर्य की ओर परिक्रमा पथ में होता है।
- स्वतः गुरुत्व के लिए उसके पास पर्याप्त वजन होता है जिससे वह ठोस भौतिक ऊर्जा का सामना कर द्रवस्थैतिक संतुलित (लगभग गोलाकार) आकार में रहता है।
- अपने परिक्रमा पथ के चारों तरफ के प्रतिवेश को निर्विघ्न नहीं करता है।
- वह किसी ग्रह या अन्य अतारकीय पिंड का उपग्रह नहीं होता है।

'क्षुद्र ग्रह' शब्द को अभिहित करने के दो वर्ष पश्चात् आइ. ए. यू. ने कुबेर (प्लूटो) जैसे अन्य समान परा-वरुण क्षुद्र ग्रहों को 'प्लूटॉइड्स' कहने का निश्चय किया। यद्यपि, सारे क्षुद्र ग्रह प्लूटॉइड्स नहीं होते हैं। वर्तमान में, चार खगोलीय पिंडों को आइ. ए. यू. ने क्षुद्र ग्रह के रूप में पुनर्परिभाषित किया है, जिनमें से तीन प्लूटॉइड उपश्रेणी के सदस्य हैं। इरिस, प्लूटो और नवीनतम योग मेकमेक को प्लूटॉइड्स के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, तथा सिरिस को क्षुद्र ग्रह की श्रेणी में ही रखा गया है।

सूर्य

सूर्य उष्ण गैस का विशाल गोला है, जो पृथ्वी से 1,500 लाख किलोमीटर की दूरी पर है। इस दाहन गैस के गोले के तल का तापमान 5,500° से. है, और आंतरिक तापमान अकल्पनीय 156 लाख डिग्री से. होता है। सूर्य इतना विशाल है कि इसमें दस लाख से अधिक पृथ्वी समा सकती है। सूर्य की भीतरी संरचना में सम्मिलित है-आंतरिक, विकिरण क्षेत्र, संवहन क्षेत्र तथा प्रकाश मंडल।

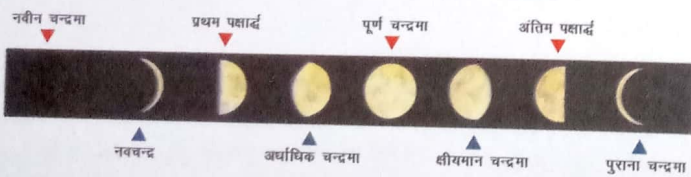
सूर्य के प्रकाश मंडल में प्रक्षोभ है जो पृथ्वी से दृश्य है। यह प्रक्षोभ सूर्य कलक, सौर भूकम्प, सौर ज्वाला और छोटे गैस खंड (ट्रैन्स्यूल्स) के रूप में विदित हैं। सूर्य प्रति सेकंड चालीस लाख टन हाइड्रोजन उपभोग करता है। यह इतना विशाल है कि इस सितारे में अगले पाँच सौ करोड़ वर्ष तक चमकने के लिए पर्याप्त ईंधन है।



कोरोना सूर्य के वायुमंडल का बाह्यतम भाग है, जो केवल सूर्य ग्रहण के समय दृश्य होता है।

चन्द्रमा की कलाएँ

पृथ्वी के संबद्ध अपनी बदलती अवस्थितियों के कारण, मास के भिन्न समय पर चन्द्रमा की भिन्न आकृतियाँ होती हैं। इन भिन्न आकृतियों को चन्द्रमा की कलाएँ कहते हैं। एक पूर्ण चन्द्रमा एवं अगले पूर्ण चन्द्रमा के अंतराल का समय 29.5 दिवस है।



ज्वार - भाटा

नवीन चन्द्रमा और पूर्ण चन्द्रमा कलाओं में, जब चन्द्रमा एवं सूर्य पृथ्वी के साथ एक पंक्ति में होते हैं, तब ज्वार-भाटे उच्चतम शीर्ष पर होते हैं और उन्हें 'स्प्रिंग टाइड' या 'बृहत् ज्वार' कहते हैं।

प्रथम पक्षार्द्ध तथा अंतिम पक्षार्द्ध में सूर्य और चन्द्रमा समकोण होते हैं जिससे चन्द्रमा का गुरुत्वाकर्षण सूर्य के गुरुत्वाकर्षण से आंशिक रूप से निरसित हो जाता है तथा ज्वार-भाटे अपने न्यूनतम स्तर पर होते हैं और उन्हें लघुतम ज्वार कहते हैं।



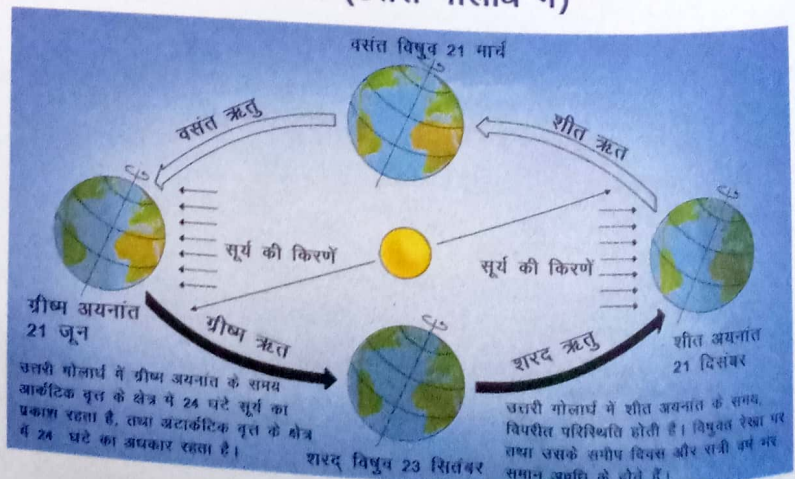
चन्द्रमा विषयक तथ्य

- पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह
- पृथ्वी से दूरी - 384,400 किमी
- व्यास - 3,476 किमी
- वजन - पृथ्वी का 0.0123 वजन
- तल गुरुत्व - पृथ्वी का 0.165 गुरुत्व
- धरती के परिक्रमण की अवधि (एक पूर्णिमा से अगली पूर्णिमा तक का अंतराल) - 29.53 दिवस या 709 घंटे
- तल तापमान - 120° से. उच्चतम से -163° से. रात्रि में



चन्द्र सतह

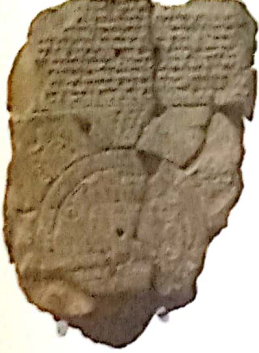
ऋतुएँ, विषुव और अयनांत (उत्तरी गोलार्ध में)



मानचित्र कला का इतिहास

मानचित्र कला का इतिहास 5,000 वर्ष से अधिक पुराना नहीं है। सबसे प्राचीन खिंटित मानचित्र बेबिलोन के विचारियों द्वारा, 2300 वर्ष ईसा पूर्व, मिट्टी की डिब्बियों से निर्मित की गई थी (चित्र 1)। मानचित्र बनाने की प्राचीन काशिया काफी सीमित थी क्योंकि उन्हें केवल स्थानीय जानकारी होती थी। एक मानचित्र को प्राचीन काल के संदर्भ में परिभाषित करना बहुत कठिन है। लगभग 6200 वर्ष ईसा पूर्व कटाल झुंक, अस्तरोलिया में एक भिन्न चित्र बनाया गया था जिसमें पत्थरों और पत्थों की स्थिति को दर्शाया गया है तथा उसके प्रतिवेश में स्थित ज्वालामुखी को भी दिखाया गया है। यह एक मानचित्र है या केवल एक जीवी चित्रकला है, यह विवाद योग्य है। प्राचीन मानचित्र धार्मिक सिद्धांतों को भी प्रतिबिंबित करते हैं।

सबसे पहला प्राचीन यूनानी व्यक्ति जिम्मेदार मानचित्र बनाया था यह अनाक्सिमेन्डर था। उसके जन्म 610 वर्ष ईसा पूर्व माइसीटस (वर्तमान में तुर्की) में तथा देहांत 546 वर्ष ईसा पूर्व में हुआ था। दुर्भाग्यवश यह मानचित्र अब शेष नहीं है। प्रमुख



चित्र 1: मिट्टी के फलक पर बेबिलोन के जीवी का चित्रण

दार्शनिक और गणितज्ञ पाइथागोरस, अरिस्टोटल, इराटोस्त्रोस और हिप्पार्कस ने प्राचीन मानचित्र कला के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान किया था।

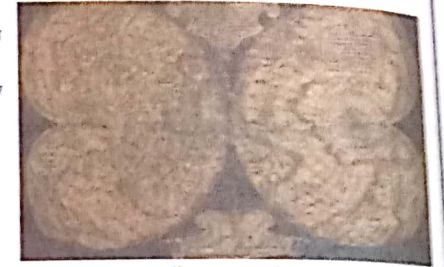
मानचित्र कला में अंतिम प्राचीन यूनानी योगदान, जिसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, एक विख्यात गणितज्ञ ने किया था। सन 140 में टॉलमी ने अपनी प्रधान कार्य, 'गाइड टू ज्याग्रफी' को आठ पुस्तकों में, खिंटित विश्व को मानचित्रित करने का प्रयास किया था जिसमें उन्होंने प्रमुख स्थलों के निर्देशांक दिए थे जो मूलतः अक्षांश तथा देशान्तर है (चित्र 2)। तथा इकट्ठे करने की उनकी प्राचीन पद्धति के कारण उनके मानचित्र उतने यथार्थ नहीं थे परन्तु पिछले प्राचीन मानचित्रों से इनमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी। यथार्थ विश्व मानचित्र के चित्रित होने में कुछ सहस्र वर्ष और शेष थे।

सन 1509 में फ्लैन्डर्स, बेल्जियम के एक प्रमुख मानचित्रकार जेरार्डस मर्कटर ने एक मानचित्र प्रक्षेप विकसित किया और विश्व मानचित्र आरेखित किया (चित्र 3)। मर्कटर ने कई नवीन मानचित्र और ग्लोब बनाए, परन्तु मानचित्र कला में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था 'मर्कटर प्रक्षेप'।



चित्र 2: टॉलमी द्वारा संकलित विश्व मानचित्र

इसके पश्चात्, कई प्रमुख यूरोपीय एवं एशियाई मानचित्रकों ने मानचित्र कला की तकनीकों को विकसित किया, जिसमें मानचित्र संरचना और भिन्न वैज्ञानिक सर्वेक्षण तकनीक, यंत्रों और प्रक्षेपों के अविष्कार का मार्ग प्रशस्त हुआ। इन विचारों के अतिरिक्त, नवीनतम अध्ययन क्षेत्र जैसे खगोलिकी, भूविज्ञान, मौसम विज्ञान, जीव विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान के समावेश से ज्ञान का विकास हुआ और विषयक मानचित्रकला का उदय हुआ।



चित्र 3: जेरार्डस मर्कटर द्वारा आरेखित सम्पूर्ण विश्व का प्रथम मानचित्र

जैसे-जैसे विश्व प्रगति की ओर अग्रसर होता गया, अज्ञात खिंटित और सर्वेक्षण हुए। मानव ने पृथ्वी के चेहरे को अपने नवीन आविष्कारों, नवीन प्रालों, सड़कों, रेलवे, नहरों, भूमि सुधारों तथा कृषि आदि से परिवर्तित किया। ये सभी परिवर्तन निवर्तमान मानचित्रों में प्रतिबिंबित होते रहे हैं।

आधुनिक मानचित्रकला का युग: सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग) तथा भौगोलिक सूचना पद्धति (जी आई एस)

बीसवीं सदी में, वायुयान के अविष्कार के पश्चात् उपग्रहीय सुदूर संवेदन तकनीक ने मानचित्र कला में एक नया आयाम जोड़ दिया है एवं सुदूर संवेदन से इसके कार्य क्षेत्र को विस्तीर्ण बनाया है। इससे पृथ्वी का तीव्र दृष्टि पराम होता है तथा जमीनी तथ्य के पारंपरिक निरीक्षण में आवश्यक समय एवं धन की बचत होती है।

मोटे तौर पर, सुदूर संवेदन यह मापन या अर्थात् प्रक्रिया है जिसमें बिना भौतिक या आंतरिक संपर्क के किसी वस्तु या प्रतिमास के विषय में कोई जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह किसी यंत्र (जैसे किसी वायुयान, अंतरिक्ष-यान, या जहाज से) का एक फायदे से उपयोग है, जिसमें पर्यावरण के विषय में जानकारी ली जाती है। इस तकनीक में कई स्रोत यंत्रों जैसे कैमरा, लेजर, रेडार, सोनार, भूकंप लेखी या गुरुत्वाकर्षण आदि का उपयोग किया जाता है। आधुनिक सुदूर संवेदन में साधारणतः डिजिटल (अंकीय) प्रणाली सम्मिलित होती है परन्तु इसके बिना भी यह संभव है।



चित्र 4: उत्तरी माले एटॉल (मालदीव) का एक वायव छाया चित्रण

सन 1920 से वायव छाया चित्रण को वायव सर्वेक्षण तथा विशिष्ट क्षेत्रों जैसे स्थलाकृतिक मानचित्रण, भौतिकी, आभियांत्रिकी, पर्यावरण अध्ययन तथा तेल एवं खनिज अन्वेषण आदि के व्याख्या हेतु उपयोग किया जा रहा है।

वर्ष 1970-1980 में विकसित उपग्रह तकनीक से उपग्रह द्वारा सुदूर संवेदन प्रणाली ने शोधकर्ताओं, मानचित्रकारों तथा सामान्य उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। किसी अंतरिक्षयान में प्रयुक्त संवेदकों जैसे स्कैनर और विशिष्ट रूप से निर्मित कैमरों द्वारा अंतरिक्ष से ली गई पृथ्वी के वास्तविक का छायाचित्रण उपग्रह प्रतिमावली (चित्र 5) कहा जाता है।



चित्र 5: राकस झील (बाएँ) और मानसरोवर झील (दाएँ) का एक उपग्रह छाया चित्र

सुदूर संवेदक प्रणाली, निरीक्षित वस्तु से उत्सर्जित या प्रतिबिंबित विद्युत-चुंबकीय विकिरणों का उपयोग कर पृथ्वी के बृहत् क्षेत्रफल को मापित करती है। उपग्रह प्रतिमावली को विस्तृत रूप में अनुप्रयुक्त किया जा सकता है तथा ये वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा मानचित्रकों द्वारा मानचित्रण, नगरों एवं प्रालों योजना चित्रण, कृषि, तेल एवं खनिज अन्वेषण आदि में व्यापक उपयोग किया जाता है।

पारंपरिक मानचित्रण में मानचित्रों द्वारा तथ्यों तथा भौगोलिक सूचना दोनों को प्रदर्शित किया जाता था, परन्तु भौगोलिक सूचना पद्धति (जी आई एस) में तथ्य, विश्लेषण तथा प्रदर्शन भौतिक एवं संप्रत्ययन रूप से भिन्न पहलू हैं। जी आई एस में संग्रहण, संचय, प्रत्यानयन, विश्लेषण तथा भू-संदर्भ तथ्यों के प्रदर्शन या पृथ्वी विषयक सूचना हेतु विभिन्न घटकों, जैसे कंप्यूटर हार्डवेयर, अंकिय (डिजिटल) आकड़ों, मानव संसाधन तथा सस्थापनाएँ आदि का उपयोग सम्मिलित है। आधुनिक मानचित्रण मुख्यतः जी आई एस पर आश्रित है जो सुगम कंप्यूटर-आधारित आकड़ों और मानचित्र प्रदान करता है।

मापक

मानचित्र को यथार्थ रूप से पढ़ने के लिए मापक अनिवार्य होते हैं। मापक पृथ्वी पर की दो बिंदुओं (स्थानों) की वास्तविक दूरी तथा मानचित्र पर उन्हीं दो बिंदुओं (स्थानों) की संगत दूरी को अनुपात को प्रदर्शित करता है। मापक तीन प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं:

1. प्रातिनिधिक खंड (आर एफ)

इसमें दूरी मापन की इकाईयाँ वास्तविक रूप से एवं मानचित्र में समान होती हैं। यह सदा अनुपात में अभिव्यक्त होता है। उदाहरण-100,000, जिसमें मानचित्र में 1 सेमी 100,000 सेमी दर्शाता है अथवा 1 इंच=100,000 इंच।

2. लिखित विवरण

इसमें मापन प्रणाली स्पष्ट वर्णित होती है। उदाहरण-1 सेमी=1 किमी अथवा 1 इंच= 1 मील।

3. आलेखी प्रणाली

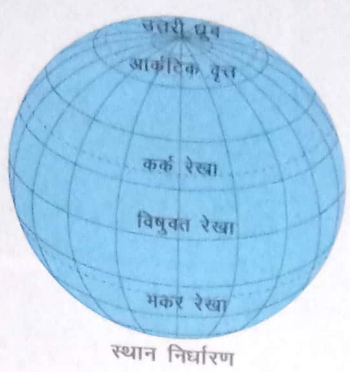
इस प्रणाली में रेखा के अन्तर्गत से विहित मापक को दर्शित किया जाता है। उदाहरण-1 सेमी=1 किमी अथवा 1,100,000 किमी रेखा का एक 15 सेमी का खंड 15 किमी को निरूपित करता है।

किमी 1 0 1 2 किमी

मानचित्र और ग्लोब

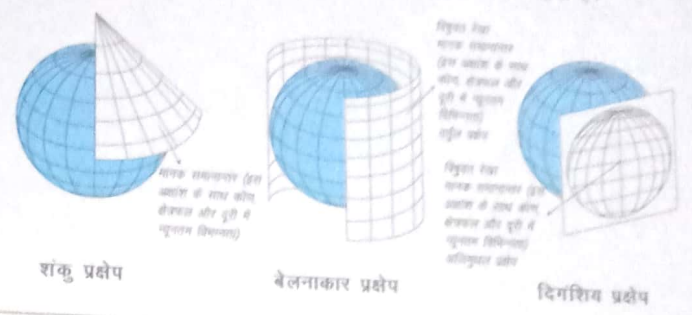
मानचित्र, गोलाकार पृथ्वी या वास्तविक विश्व का, सपाट फलक पर आलेखी चित्र है। पृथ्वी का स्वरूप, ऊपर से दिखने पर कैसा विदित होगा, यह मानचित्र पर हमें दिखता है। स्थल के किसी स्वरूप को उसकी वास्तविक स्थिति में, या तो अक्षांश और देशांतर रेखाओं द्वारा, या किसी पृथक् या अन्य आकृतियों से संबद्ध कर दर्शाना ही मानचित्र का मुख्य उद्देश्य है।

ग्लोब पृथ्वी के सतह को इसके यथार्थ गोलाकार रूप में निरूपित करता है जिसमें महाद्वीपों एवं अन्य आकृतियों को समान मापक में तथा उसके वास्तविक आकार एवं क्षेत्रफल में दर्शाया जाता है।



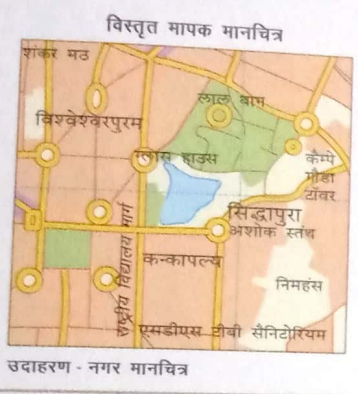
मानचित्र प्रक्षेप

मानचित्र प्रक्षेप, अक्षांश वृत्तों के समानान्तर तथा देशान्तर रेखाओं के मध्यानों के जाल, जिनसे पृथ्वी के गोलाकार सतह, या उसके कुछ भाग का लघुकृत मापक में, सपाट कागज पर निरूपण होता है, इसका व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध आरेख है। विश्व का या उसके किसी भाग का ऐसा मानचित्र आरेखित करना संभव नहीं जो क्षेत्रफल, आकार, दूरी एवं दिशा का यथार्थ चित्रण कर सके। प्रत्येक मानचित्र किसी एक पहलू में विकृत अवश्य होता है।

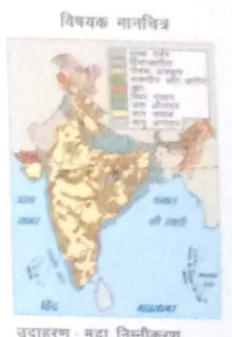
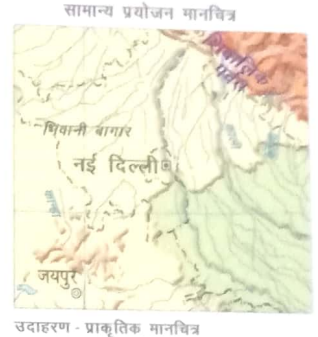


मानचित्र के प्रकार

मापक पर आधारित



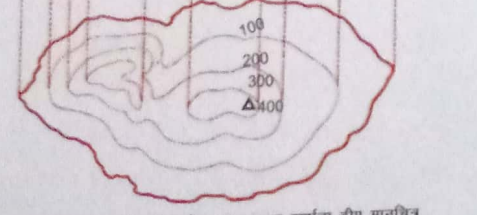
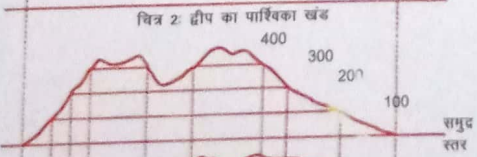
मानचित्र में विस्तृत वर्णन पर आधारित



प्राकृतिक उच्चावच: भू-सतह का चित्रण

मानचित्र कला की सबसे बड़ी चुनौती है किसी क्षेत्र के प्राकृतिक उच्चावच का यथार्थ चित्रण करना, जैसे पहाड़ियों एवं मैदानों का चित्रण, उच्च भूमि एवं निम्न भूमि में विभेदन, आदि। प्राकृतिक उच्चावच को प्रदर्शित करने के लिए सामान्यतः दो विधियों का प्रयोग किया जाता है - पर्वतीय आच्छादन तथा समोच्च रेखाएँ। इनमें से प्रत्येक का उपयोग भिन्न प्रकार से किया जाता है। कई बार इन दोनों का प्रयोग एक साथ भी किया जाता है। यहां दिया गया रेखाचित्र 1 पहाड़ी ढाल वाले 'हेचर्स' (रेखाच्छादन) कहे जाने वाले पर्वतीय छायांकन की विधि द्वारा निर्देशित पहाड़ी द्वीप को दर्शाता है। ये हेचर्स रेखाएँ जो ढाल की दिशा को दर्शाती हैं। जहां ढाल सीधी है वहां रेखाएँ मोटी हैं तथा एक दूसरे से सटी हुई हैं जिससे उस स्थान का रंग गाढ़ा हो गया है। जहां ढाल कम है वहां रेखाएँ बारीक तथा दूर-दूर हैं और ये धीरे-धीरे तब तक छितरती जाती हैं और हल्की होती जाती हैं, जब तक ढाल खत्म न हो जाए, इसलिए समतल क्षेत्र में कोई पहाड़ी छायांकन नहीं है। चित्र 3 समोच्च रेखाओं द्वारा निर्देशित पर्वतों वाले उसी द्वीप को दर्शाता है। समोच्च रेखाओं द्वारा ऊँचाई को दर्शाने के सिद्धांत को, चित्र 3 की, चित्र 2 के पार्श्विका खंड से तुलना करके दर्शाया गया है।

चित्र 1. पर्वतीय आच्छादन द्वारा उच्चता को दर्शाने वाले द्वीप का मानचित्र



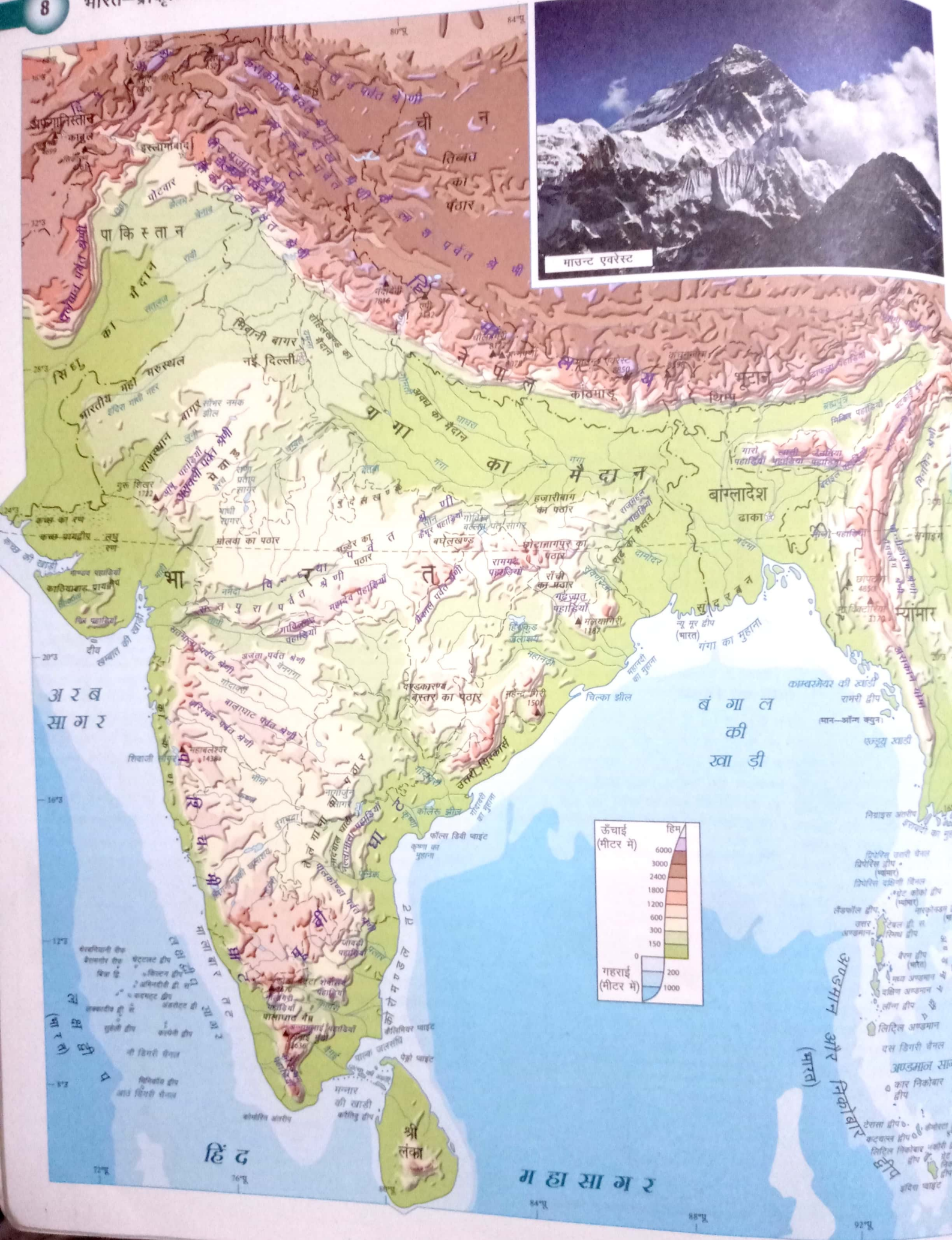
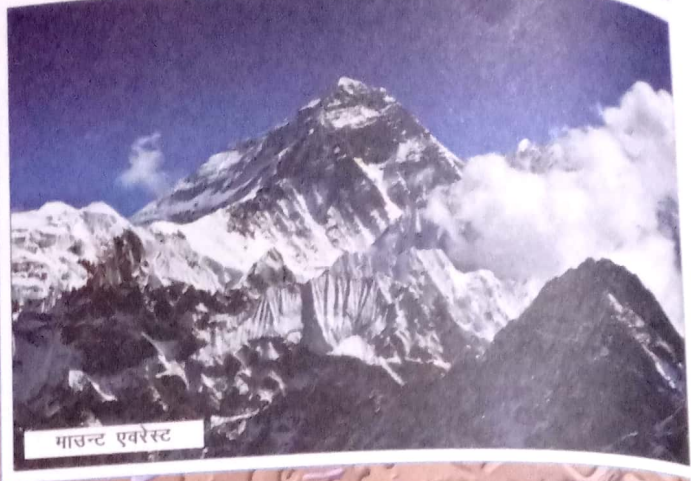
चित्र 3. समोच्च रेखाओं द्वारा उच्चता दर्शाता द्वीप मानचित्र

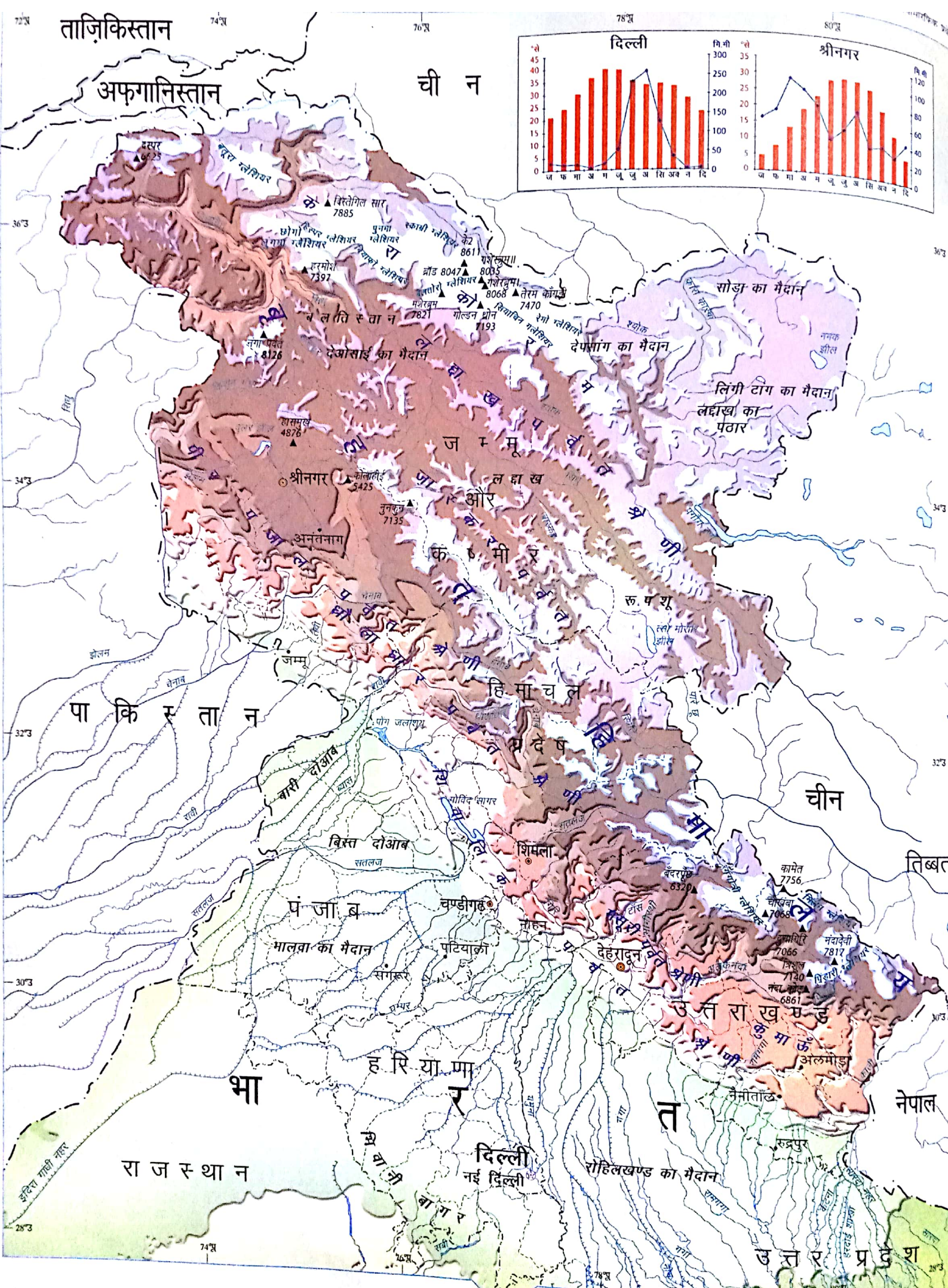
चिह्न और आच्छादन

मानचित्र सबकुछ नहीं दर्शा सकता है न ही एक प्रतिबधित क्षेत्र में भू-दृश्य की आकृतियाँ समाविष्ट हो सकती हैं। अतः मानचित्र पर इन आकृतियों को चिह्नित करने हेतु चिह्नों को चिह्नित किया गया। इन्हें परंपरागत चिह्न भी कहते हैं। कुछ चिह्न चिह्नों की तरह होते हैं तथा कुछ चिह्न प्रारंभिक अक्षर होते हैं, उदाहरण-पोस्ट ऑफिस के लिए 'पी ओ'। रंगों का भी चिह्नों की तरह उपयोग होता है, उदाहरण-वनस्थली को हरे रंग से तथा पानी को नीले रंग से निरूपित करते हैं। रंगों के विभिन्न आच्छादन (गहरे से हल्के) किसी तथ्य या प्रतिमास की उपस्थिति के प्रभाव को निरूपित करता है, उदाहरण-ऊँचाई। पारंपरिक चिह्न स्थलाकृतिक पत्र, जलवायु, नक्शा या प्राकृतिक अथवा विषयक मानचित्रों में दर्शाये जाते हैं। चिह्नों के अर्थ समझने हेतु मानचित्रों में दिए गए कुंजी या संकेतों को देखना सदैव महत्वपूर्ण होता है। चिह्नों का रूपांकन इस उद्देश्य से होता है कि वह सरलता से याद रहें।

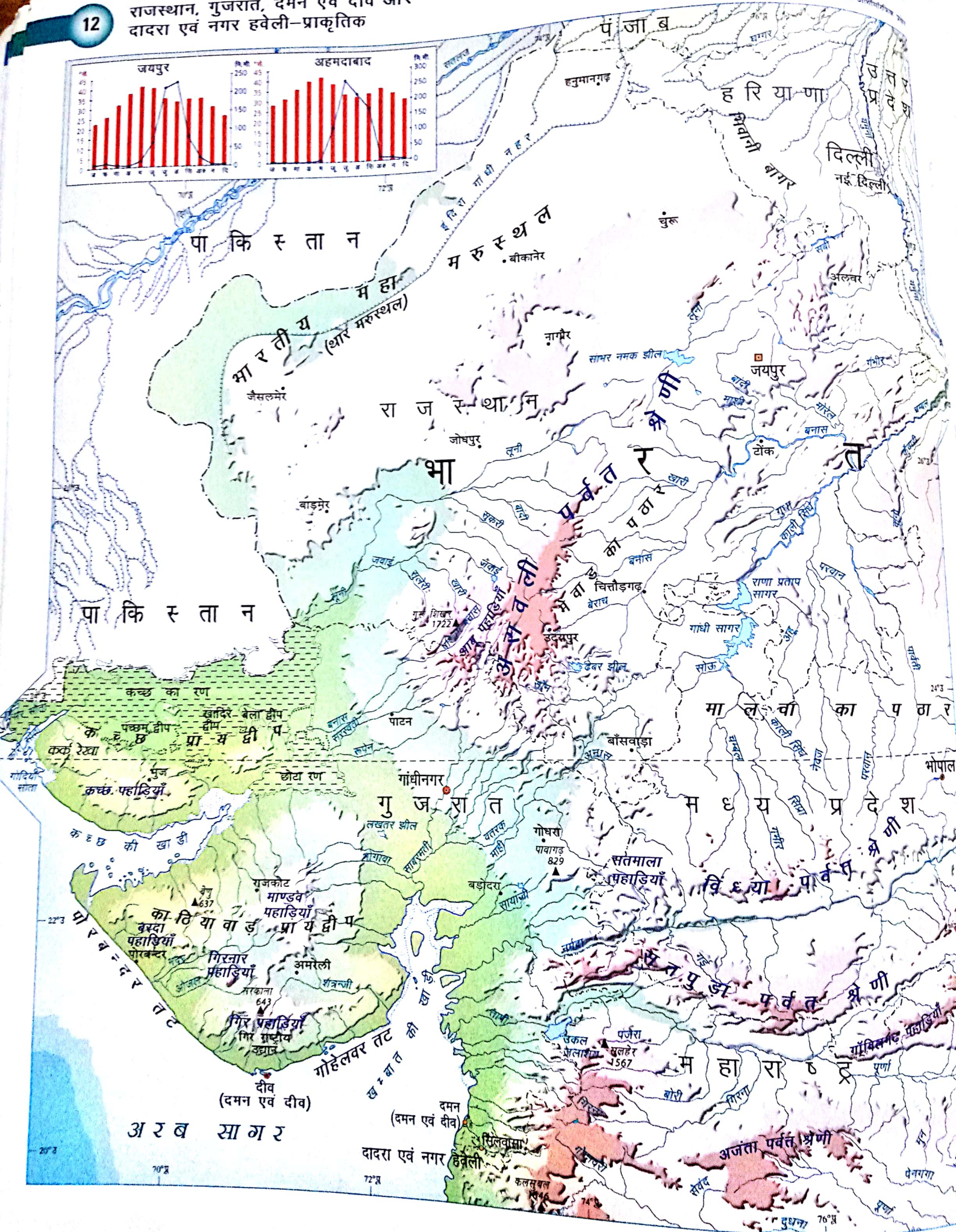
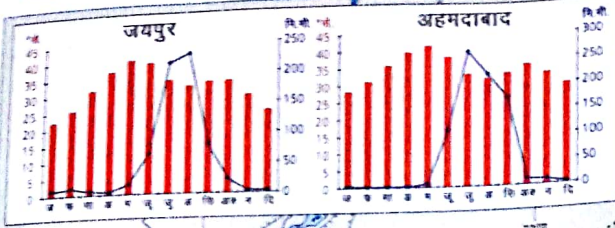
अन्य शहर	जिला मुख्यालय	राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश की राजधानी	देश की राजधानी	जनसंख्या
□	■	●	★	5 मिलियन से अधिक
○	●	●	★	1,000,000 - 5,000,000
○	●	●	★	500,000 - 1,000,000
○	●	●	★	100,000 - 500,000
○	●	●	★	50,000 - 100,000
○	●	●	★	10,000 - 50,000
○	●	●	★	10,000 से कम

चिह्न	विवरण
—	अंतर्राष्ट्रीय सीमा
- - -	राज्य की सीमा
—	जिला की सीमा
—	राज्य की सीमा
—	रेलवे
—	सुनहला वायुमंडल
—	उत्तर-दक्षिण कोरीडोर
—	पूर्व-पश्चिम कोरीडोर
—	राष्ट्रीय राजमार्ग (संख्या सहित)
—	अन्य सड़कें
—	नहर
—	झील / जलाशय
—	सरोवर / कूप
—	नदी
—	घाँस / पशुधन स्थल
—	अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
—	अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
—	समुद्री तल
—	रथ जीव अभयारण्य
—	पर्वत / पहाड़ों की शिखर
—	शिखर / पर्वत शिखर की
—	महाद्वीपीय पठार शिखर
—	अंतर्राष्ट्रीय विधि रेखा







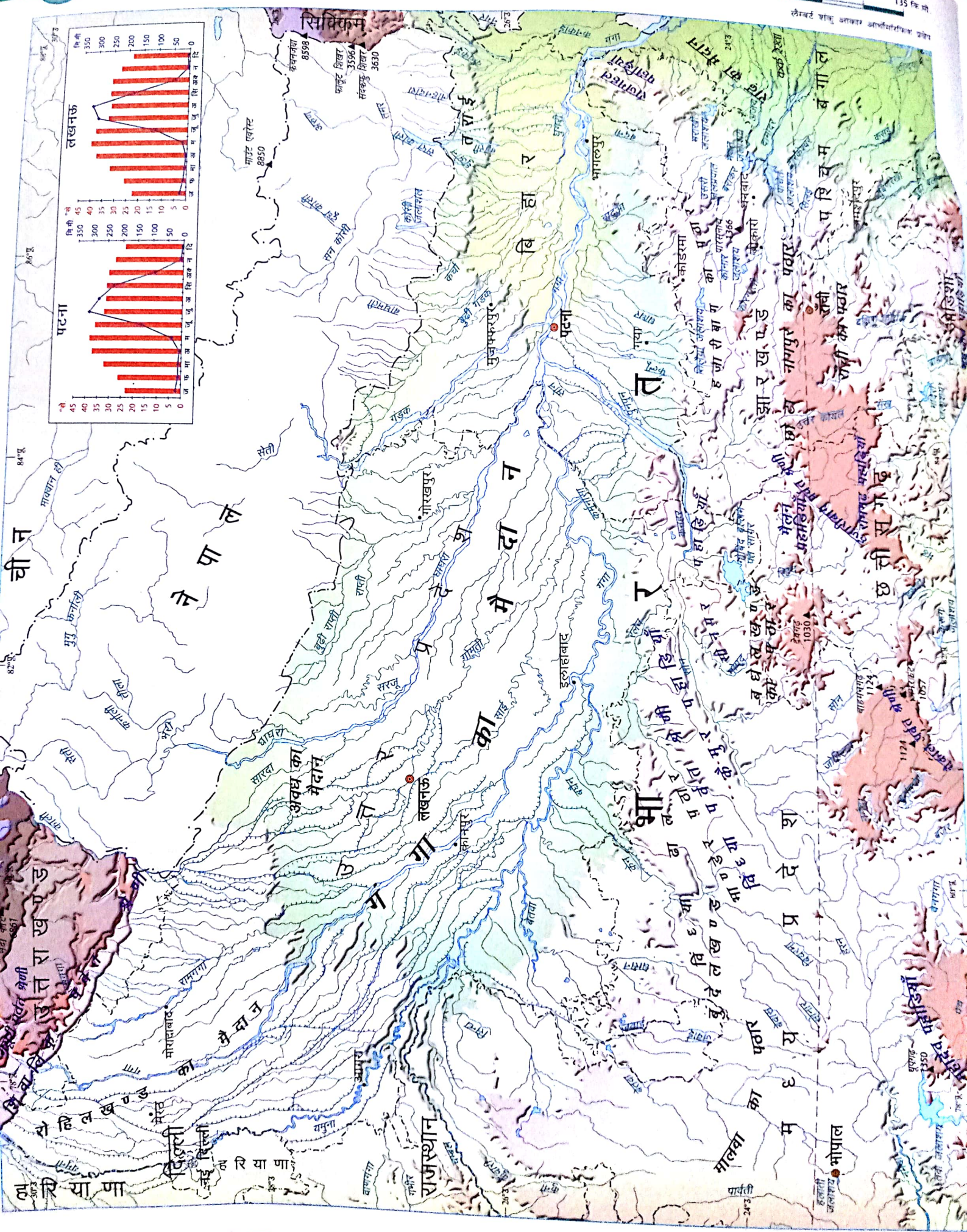
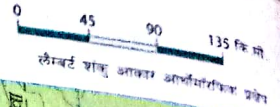


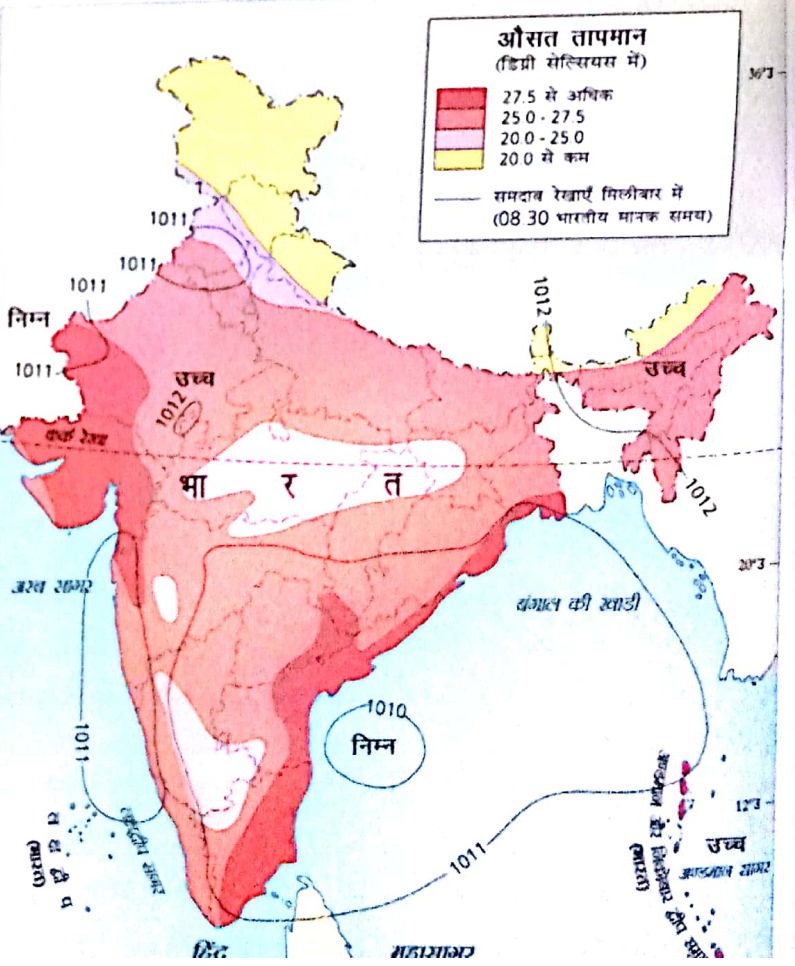
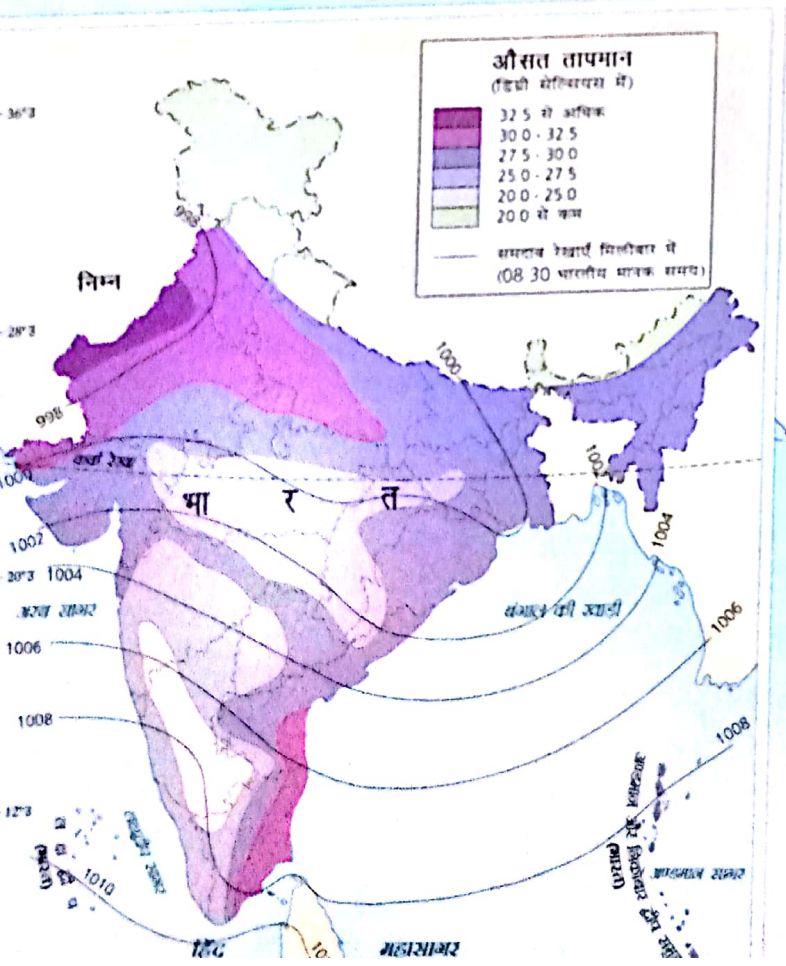
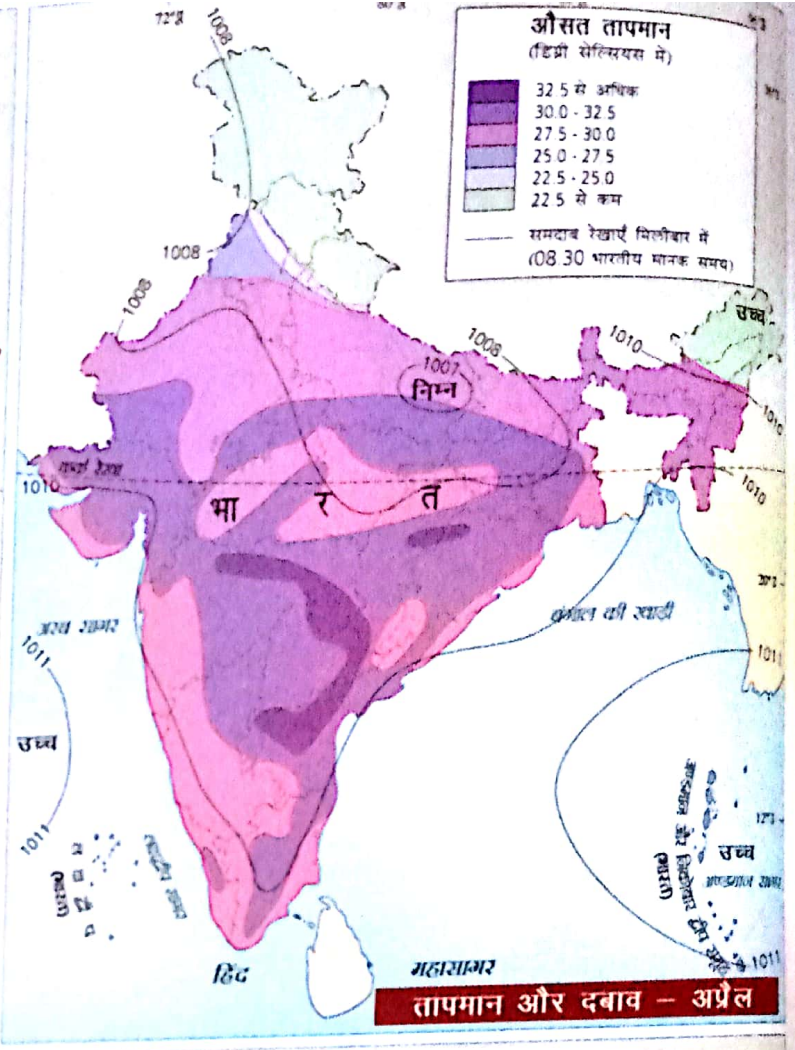
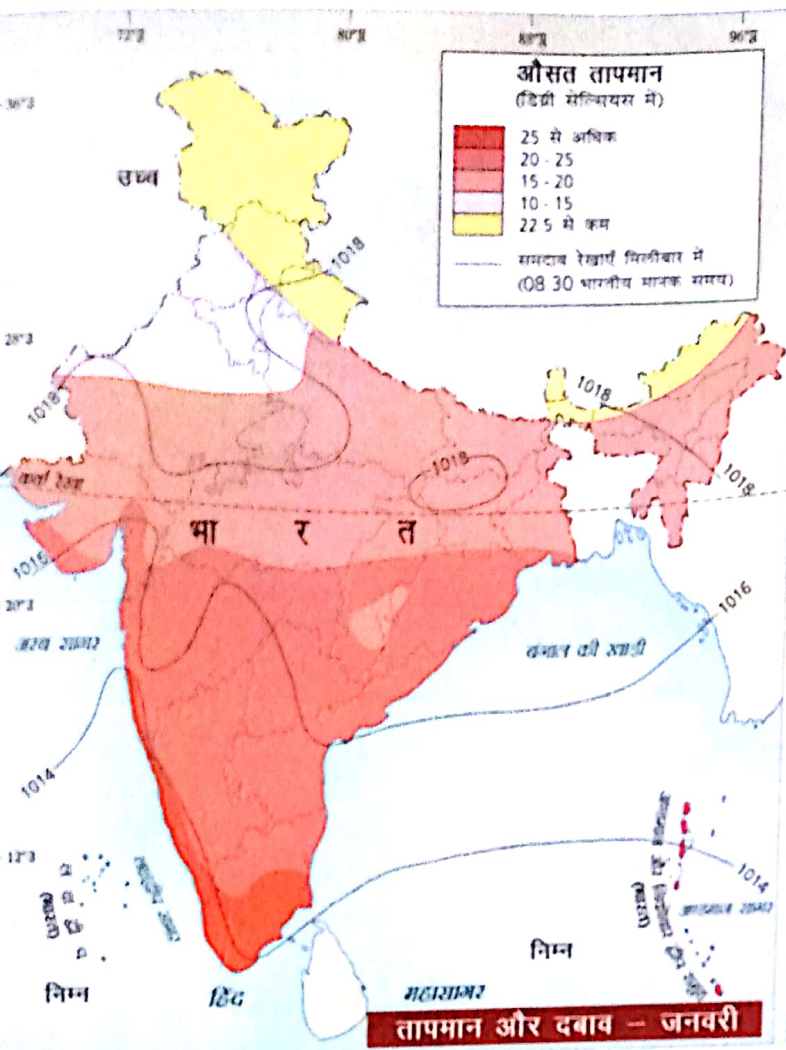


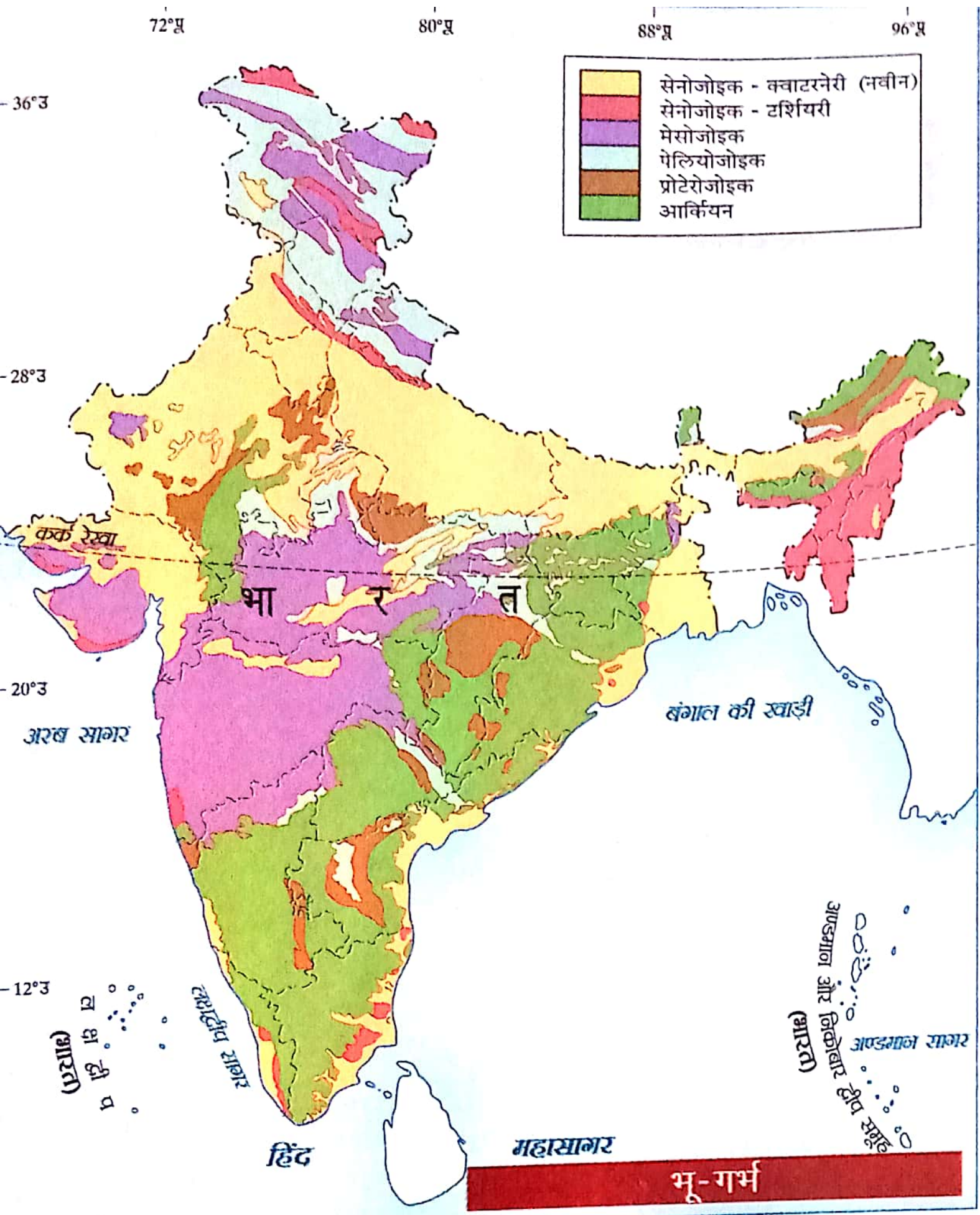
मानक 1:67,500,000



चित्तौड़गढ़ का किला







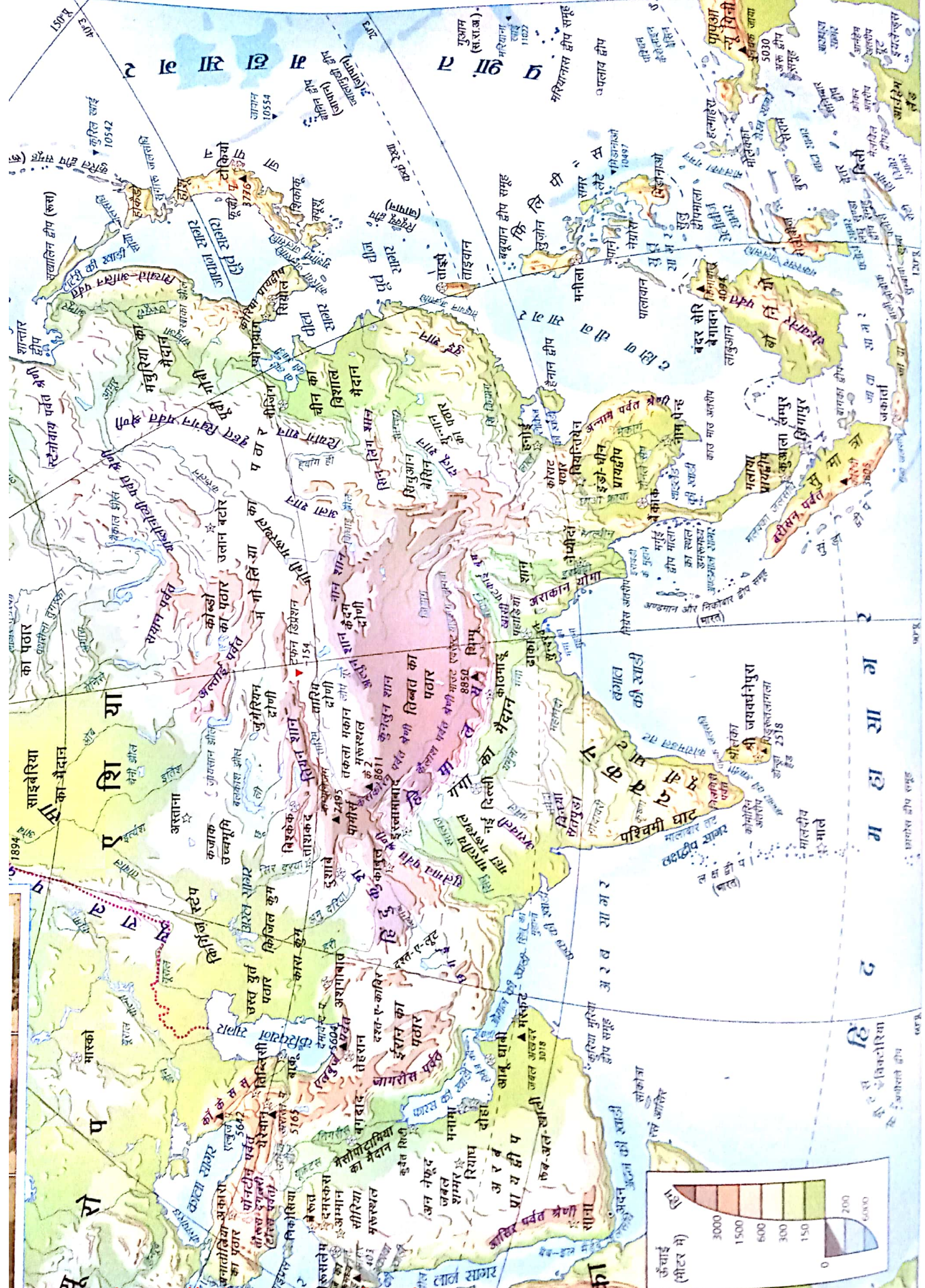


- भारत में विश्व सांस्कृतिक विरासत स्थल
- भारत में विश्व प्राकृतिक विरासत स्थल
- भारत में अन्य सांस्कृतिक विरासत स्थल
- प्रमुख संग्रहालय

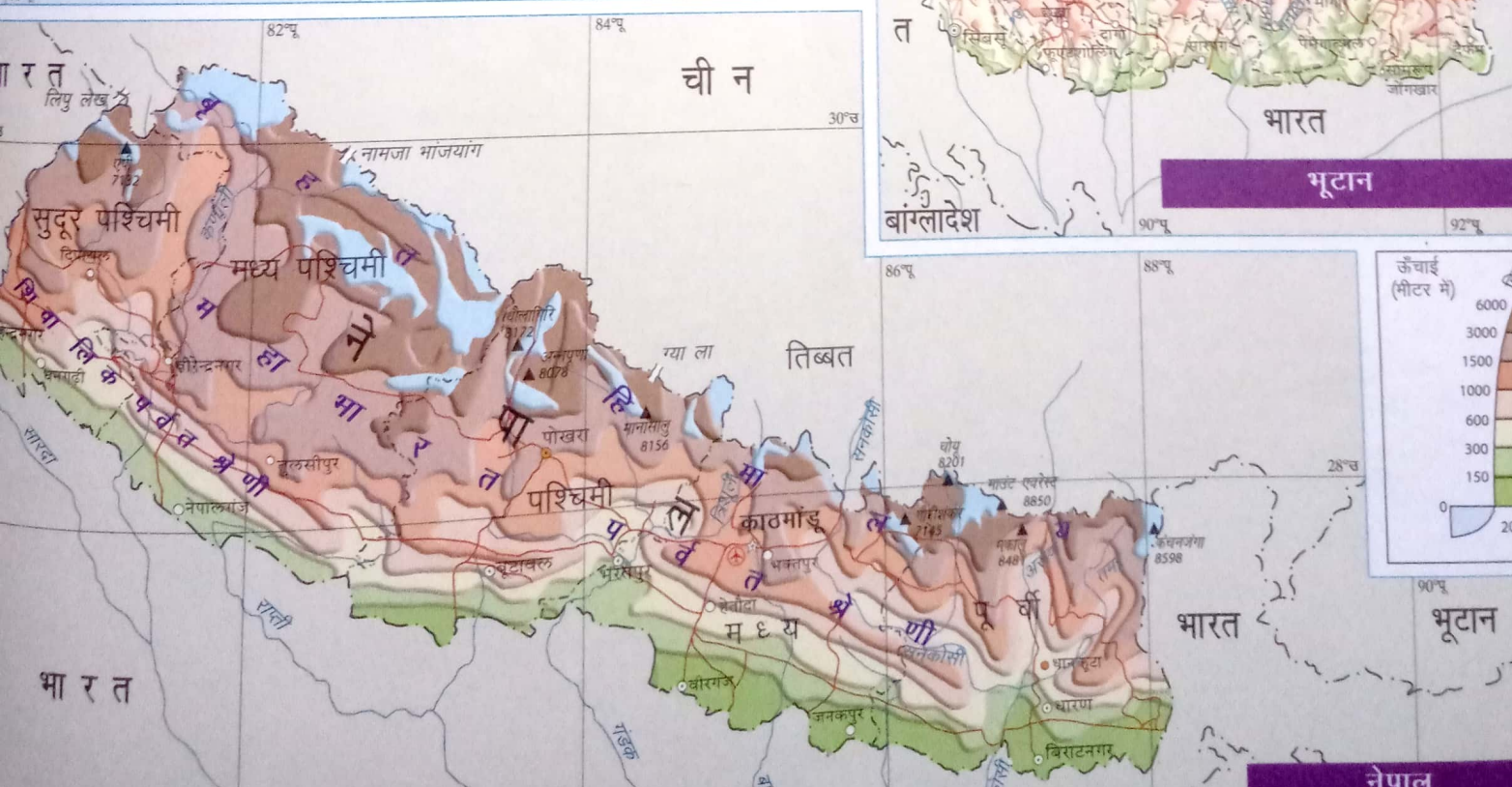
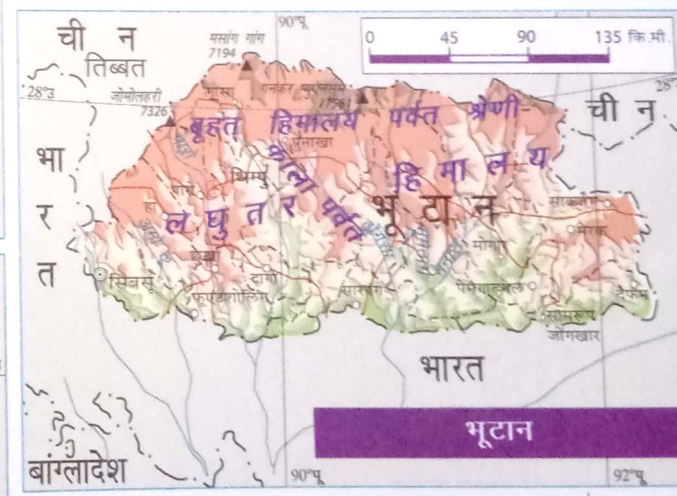
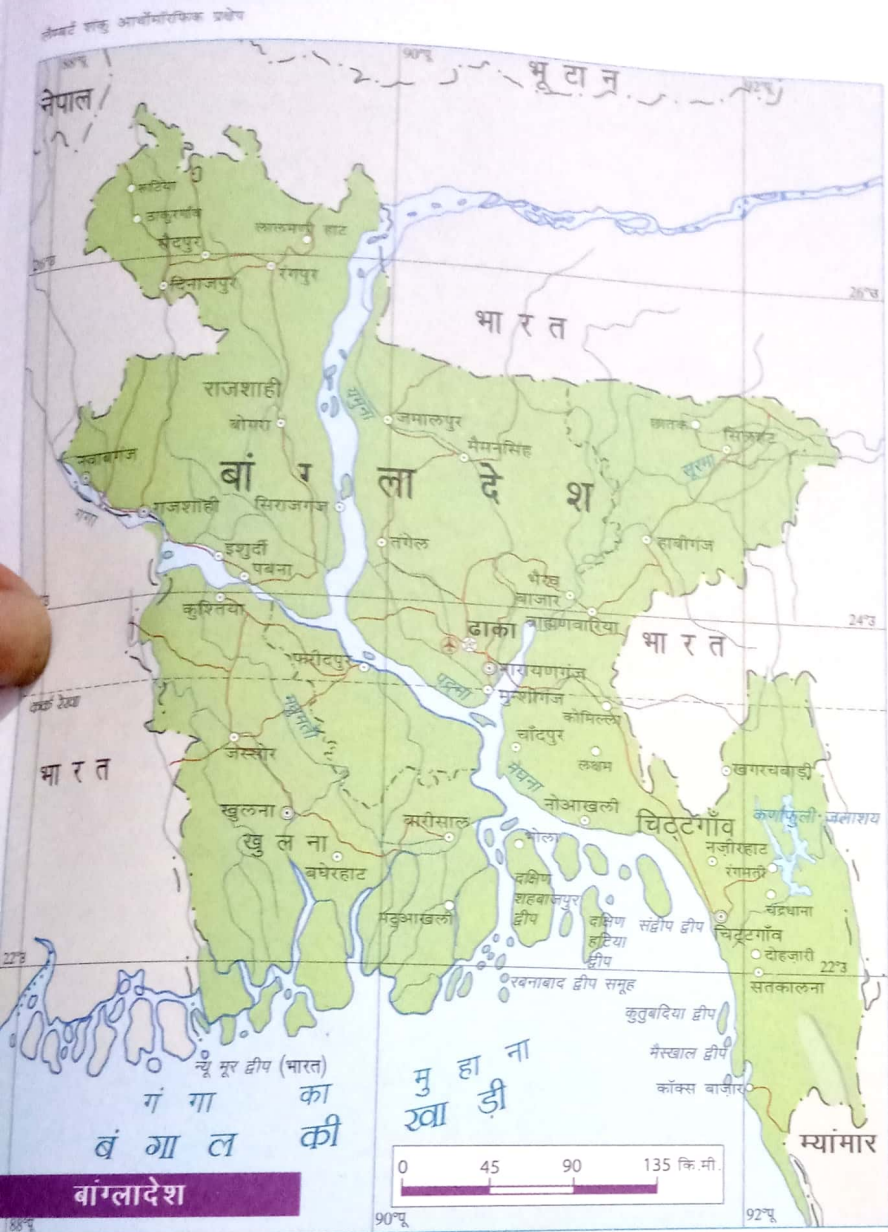
विश्व विरासत स्थल

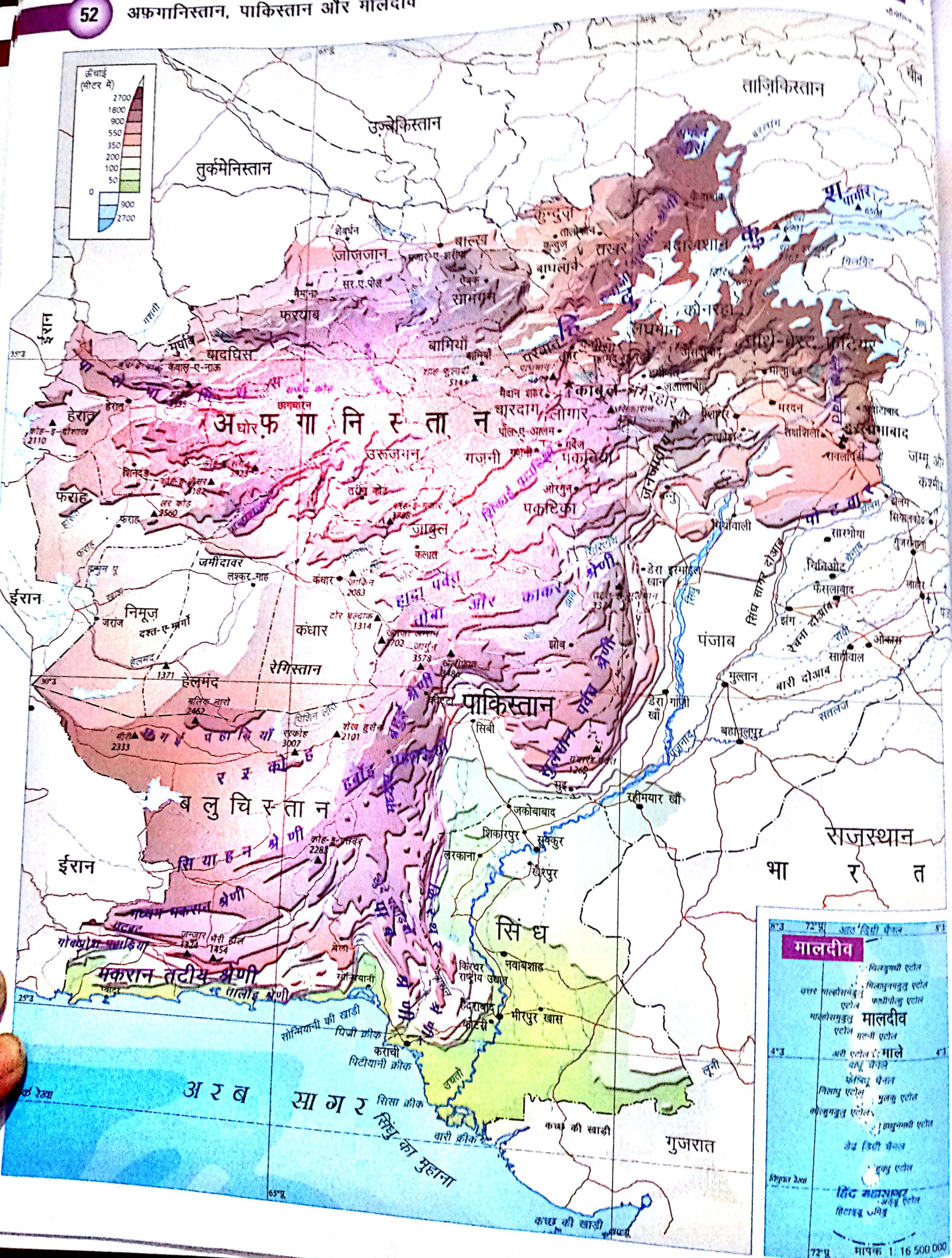
आगरा का किला, उत्तर प्रदेश
 अजंता गुफा, महाराष्ट्र
 बौध्द स्मारक सांची, मध्य प्रदेश
 चंपानेर-पावागढ़ पुरातात्विक उद्यान, गुजरात
 छत्रपती शिवाजी टर्मिनस, महाराष्ट्र
 गोआ के गिरजाघर और मठ (कॉन्वेंट), गोआ
 एलिफंटा गुफा, महाराष्ट्र
 एलोरा गुफा, महाराष्ट्र
 फतेहपुर सीकरी, उत्तर प्रदेश
 महान चोला मंदिर, तमिल नाडू
 हम्पी के स्मारक समूह, कर्नाटक
 ममल्लापुरम स्मारक समूह (महाबलीपुरम) तमिलनाडू
 पट्टादाकल के स्मारक समूह, कर्नाटक
 हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली
 काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम
 केओलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
 खजुराहो के स्मारक समूह, मध्य प्रदेश
 महाबोधी मंदिर परिसर, बोध गया, बिहार
 मानस वन्यजीव अभयारण्य, असम
 पर्वतीय रेलवे, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडू
 नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान एवं फूलों की घाटी, उत्तराखण्ड
 कुतुब मीनार तथा अन्य स्मारक, दिल्ली
 लाल किला परिसर, दिल्ली
 शोल शालिकाएँ, भीमबेटका, मध्य प्रदेश
 सूर्य मंदिर, कोणार्क, ओडिशा
 सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल
 ताज महल, उत्तर प्रदेश
 पश्चिमी घाट, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडू











मालदीव	
विलुक्की एटोल	मालदीव
उत्तर मालदीवमडुलु एटोल	मालदीव
मालदीवमडुलु एटोल	मालदीव
अरी एटोल	माले
केचिदु एटोल	माले
मिनायु एटोल	माले
मल्लुमडुलु एटोल	माले
अडु डिटी वेनल	माले
दुनु एटोल	माले
हिंद महासागर	माले
मालदीव	माले

सावधान


हमारी टेलीग्राम चैनल @booksmag जो एक प्रिमियम मगैजिन, बूक्स ओर साहित्य की No 1 चैनल है। जहाँ पर सबसे पहले मेगेजीन रखे जाते है। हमारी चैनल से ही दूसरी चैनल वाले मगैजिन लेकर अपनी चैनल में रखते है। अगर यह मगैजिन आपको दूसरी चैनल से मिले है तो आप समज सकते है।कि आपको क्या करना है। तुरत ही हमारी असली चैनलो से जुड़े जीसकी लिंक आगे के पेज पे रखी है। पेज पे क्लिक करते ही हमारी चैनल खुल जाएगी जहाँ जॉइन पर क्लिक करते ही आप चैनल से जुड़ जाएंगे । और हमती दूसरी चैनलो से भी जुड़े।



Master Of Books And Mag

3 175 members

ગુજરાતી,હિન્દી અને અંગ્રેજી ભાષા માં બુક્સ અને મેગેજીન વાંચવા માટે એક માત્ર ચેનલ.. આપના જ્ઞાન જિજ્ઞાસું મિત્રો ને મોકલો.

आपके सुजाव या एडमिन से संपर्क की लिंक  ...

[VIEW CHANNEL](#)

If you have **Telegram**, you can view and join **Master Of Books And Mag** right away.



Fast News By Rikesh

1 110 members

Fastet News, News Chenal Vedio, And Live
News In Gujarati

- આ ચેનલ માં આપને તાજા સમાચાર, લાઈવ ન્યુઝ, બ્રેકીંગ ન્યુઝ, ન્યુઝ વિડિઓ મિનિટે મિનિટ ના તાત્કાલિક સમાચાર મેળવવા માટે નીચેની લિંક વડે જોડાવ.. અને...

[VIEW CHANNEL](#)

If you have **Telegram**, you can view and join
Fast News By Rikesh right away.



Master of PDF News Paper

2 998 members

- આ ટેલિગ્રામ ચેનલ પર રોજના 120 થી વધુ ગુજરાતી, હિન્દી અને અંગ્રેજી ન્યુઝ પેપર શેર કરવામા આવે છે.
- જોઈન થવા માટે આ લિંક પર ક્લિક કરો. તમારી પાસે જેટલા ગૃપો છે તેટલા બધા જ ગૃપો માં આ મેસેજ શેર ...

[VIEW CHANNEL](#)

If you have **Telegram**, you can view and join **Master of PDF News Paper** right away.






Hi Tech 4U

public channel



Join Our Channel For free Android Premium Apps , Computer Software, Movies, Tech News And More.... No West Time Join Now

आपके सुजाव या एडमिन से संपर्क की लिंक 
http://telegram.me/Contectforhelp_bot

Channel Joining Link   

@HiTech4U

t.me/HiTech4U



Notifications

On

Shared Media

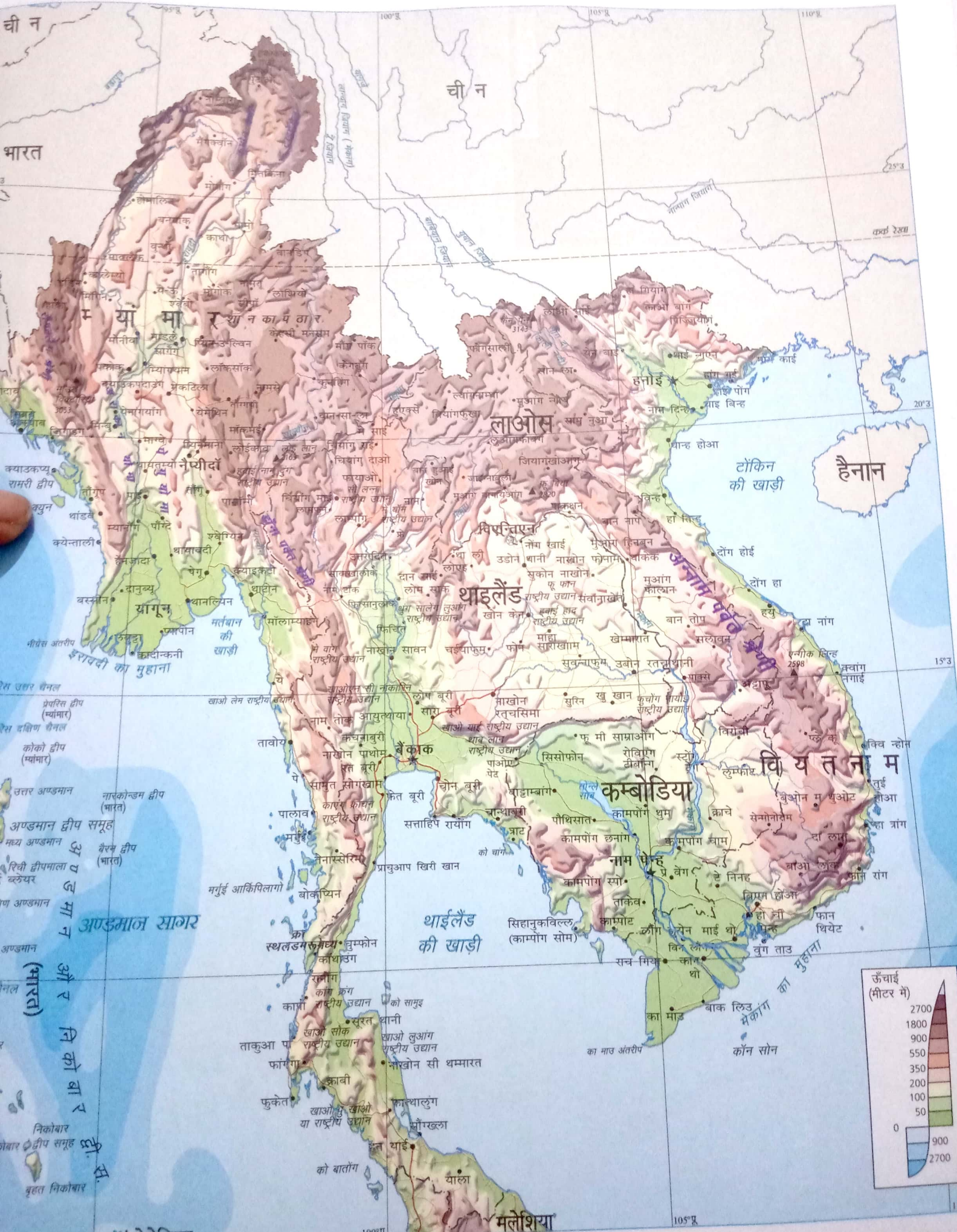
1440

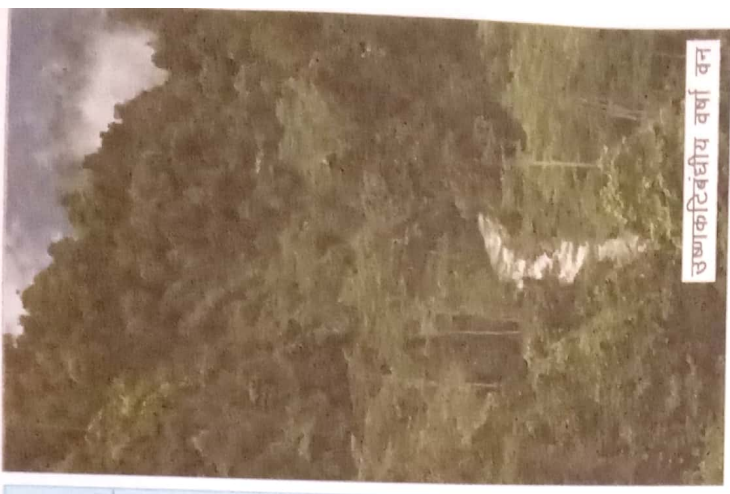
Subscribers

3484

0 100 200 300 कि.मी.

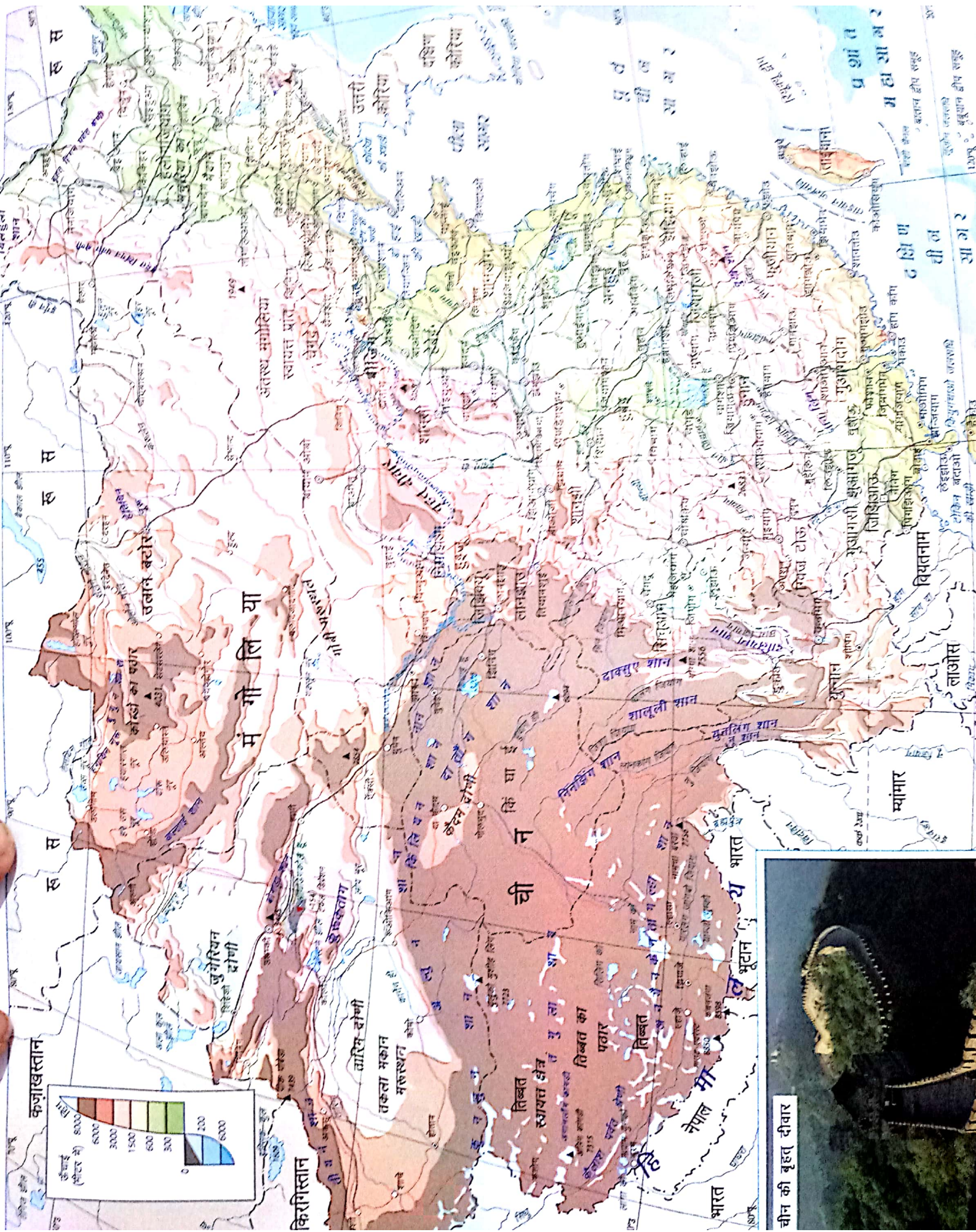
भौतिक प्रक्षेप



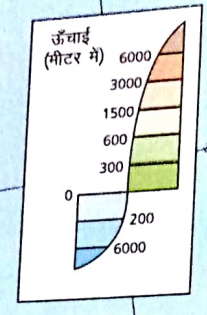
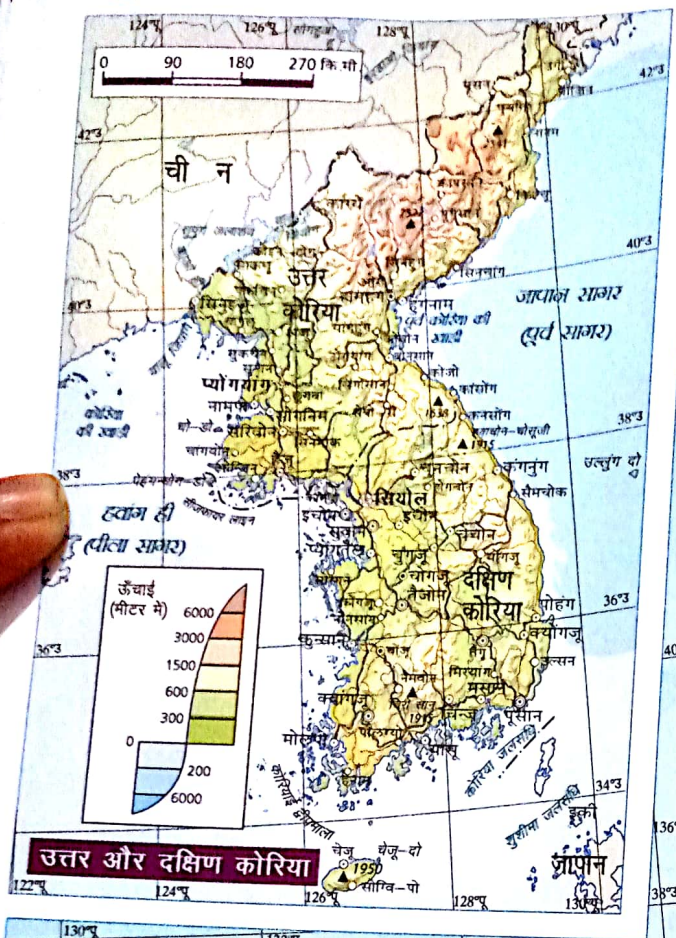


उष्णकटिबंधीय वर्षा वन



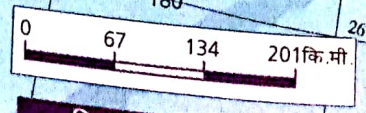


चीन की बृहत दीवार

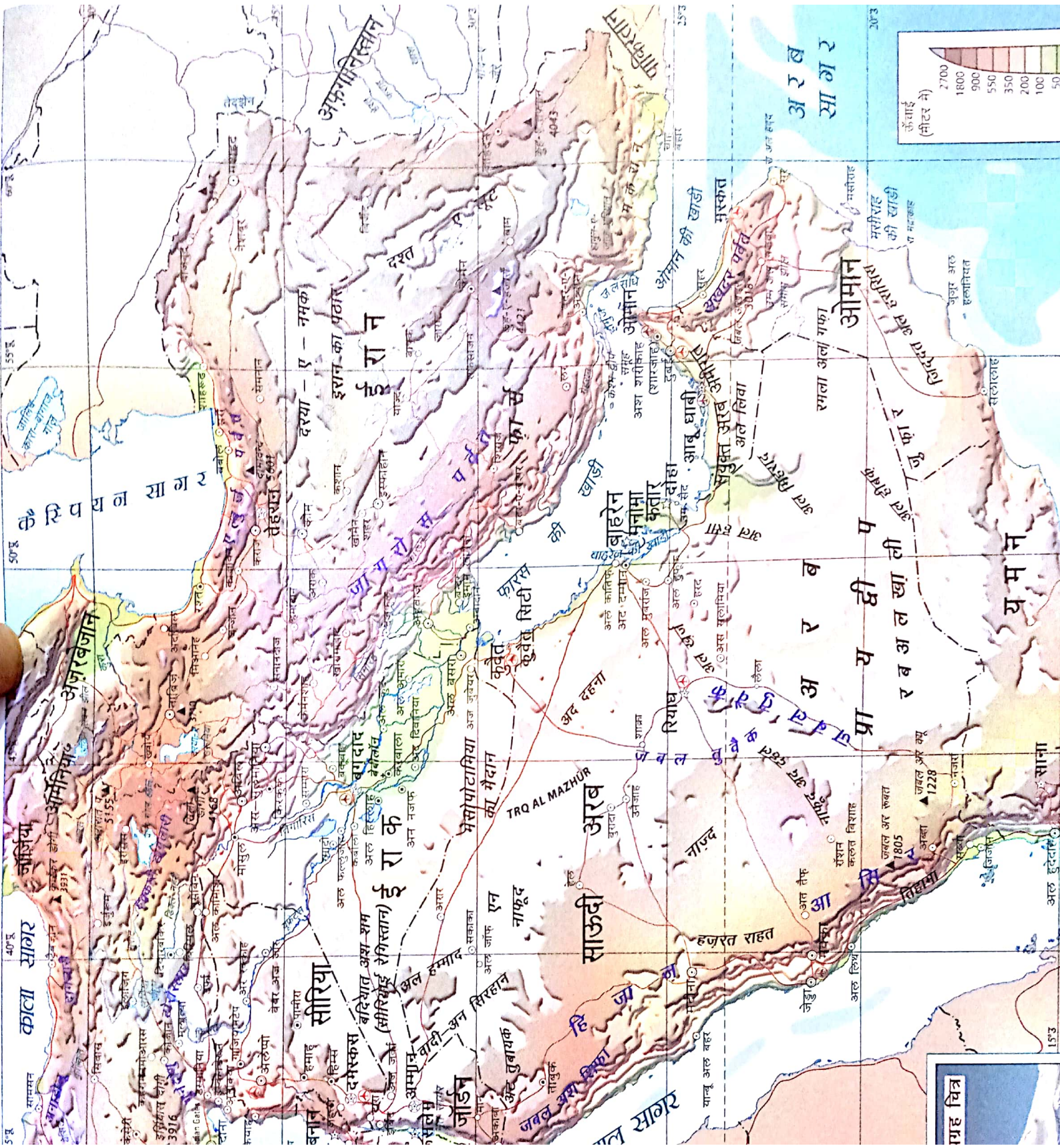


जापान सागर (पूर्व सागर)

उत्तर और दक्षिण कोरिया



रियूक्यू द्वीप समूह

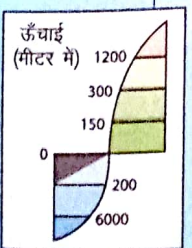


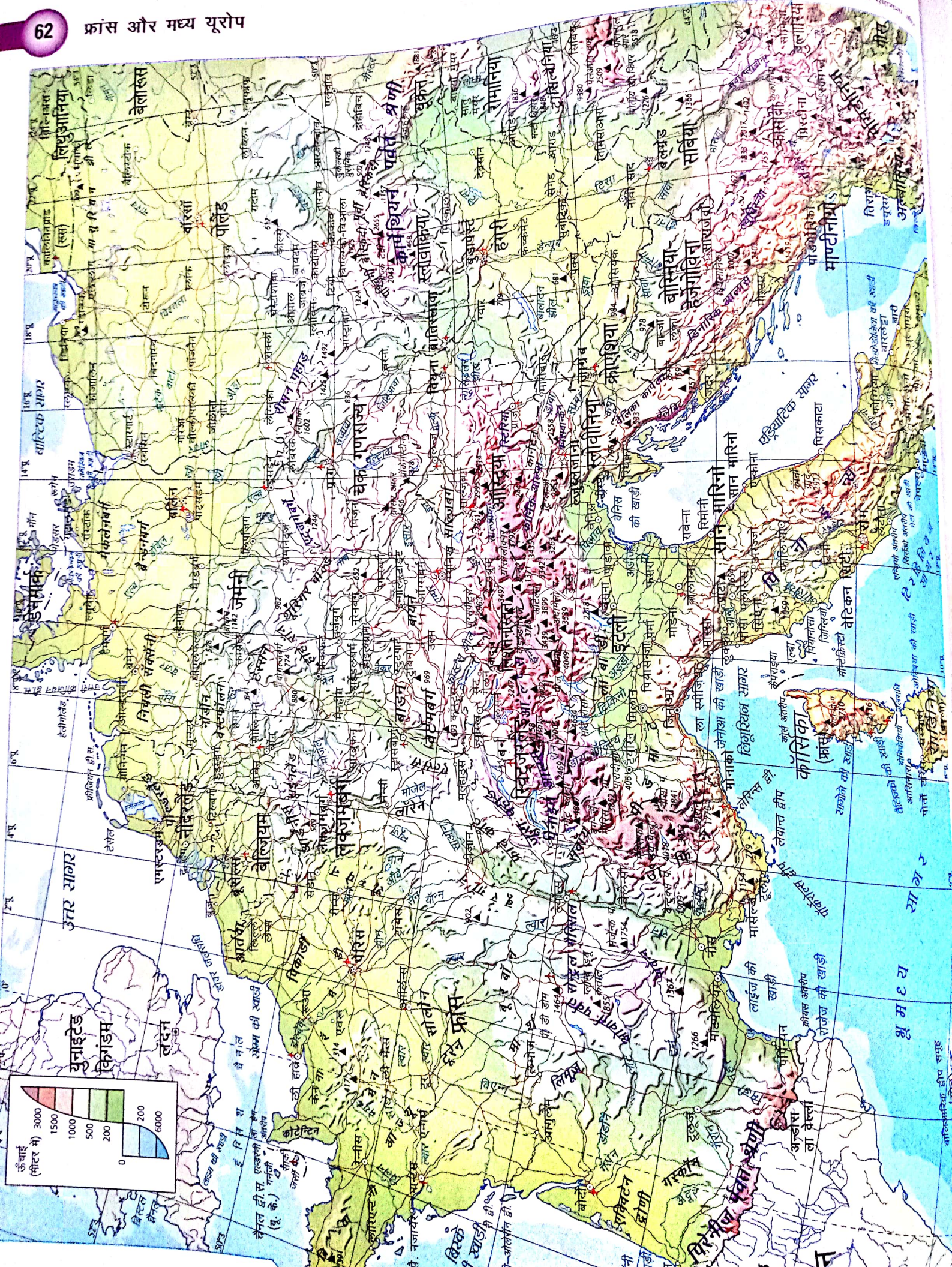


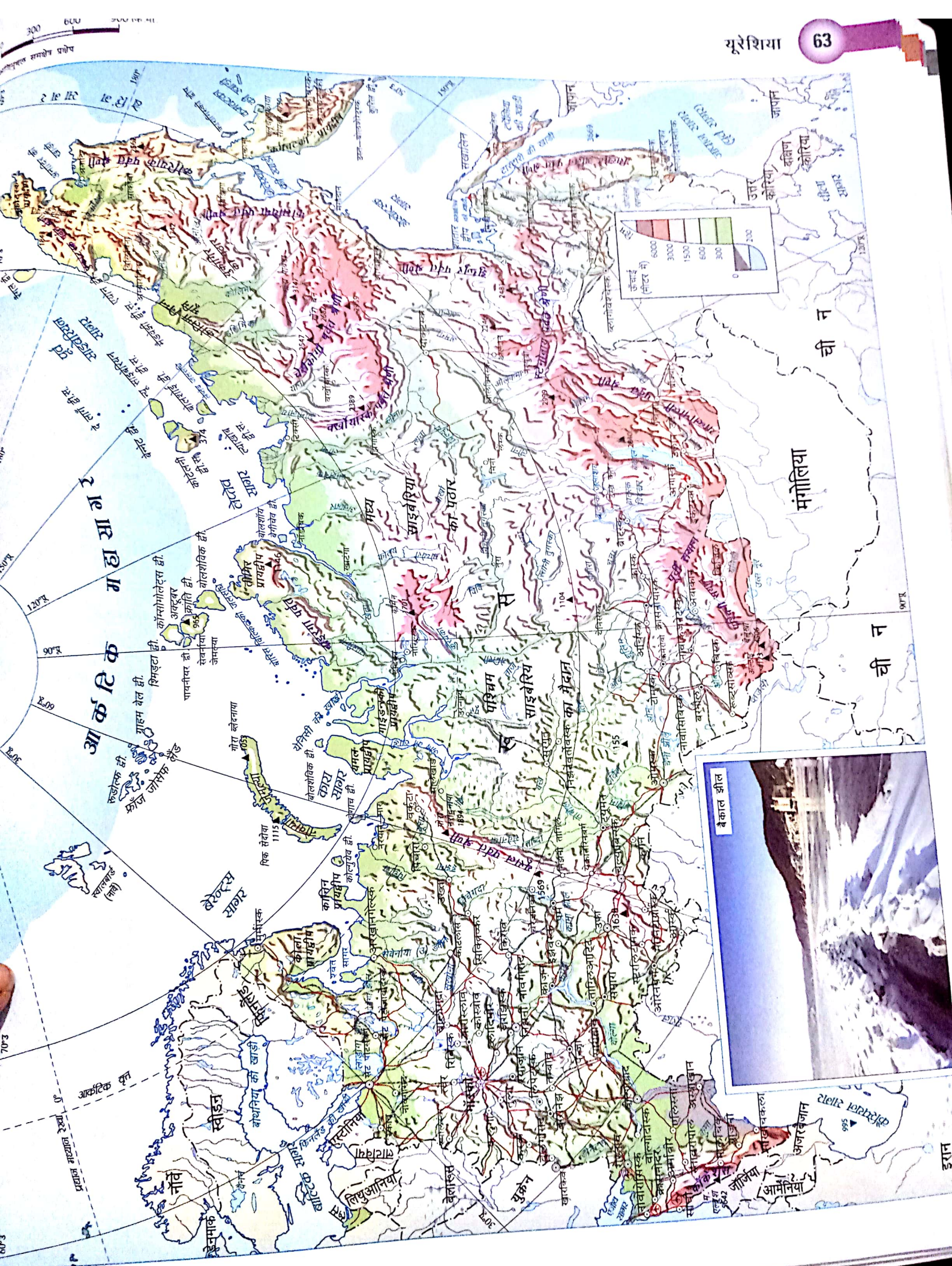
शाकल प्रक्षेप (दो मापक समानान्तर सहित)



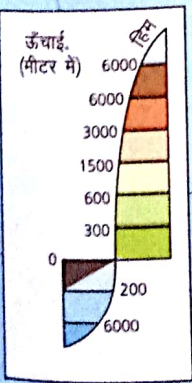
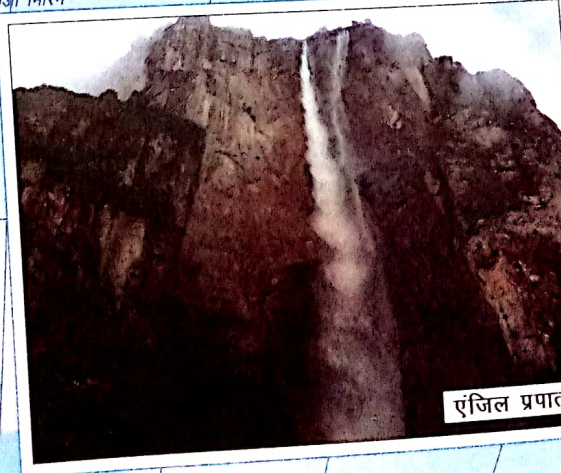
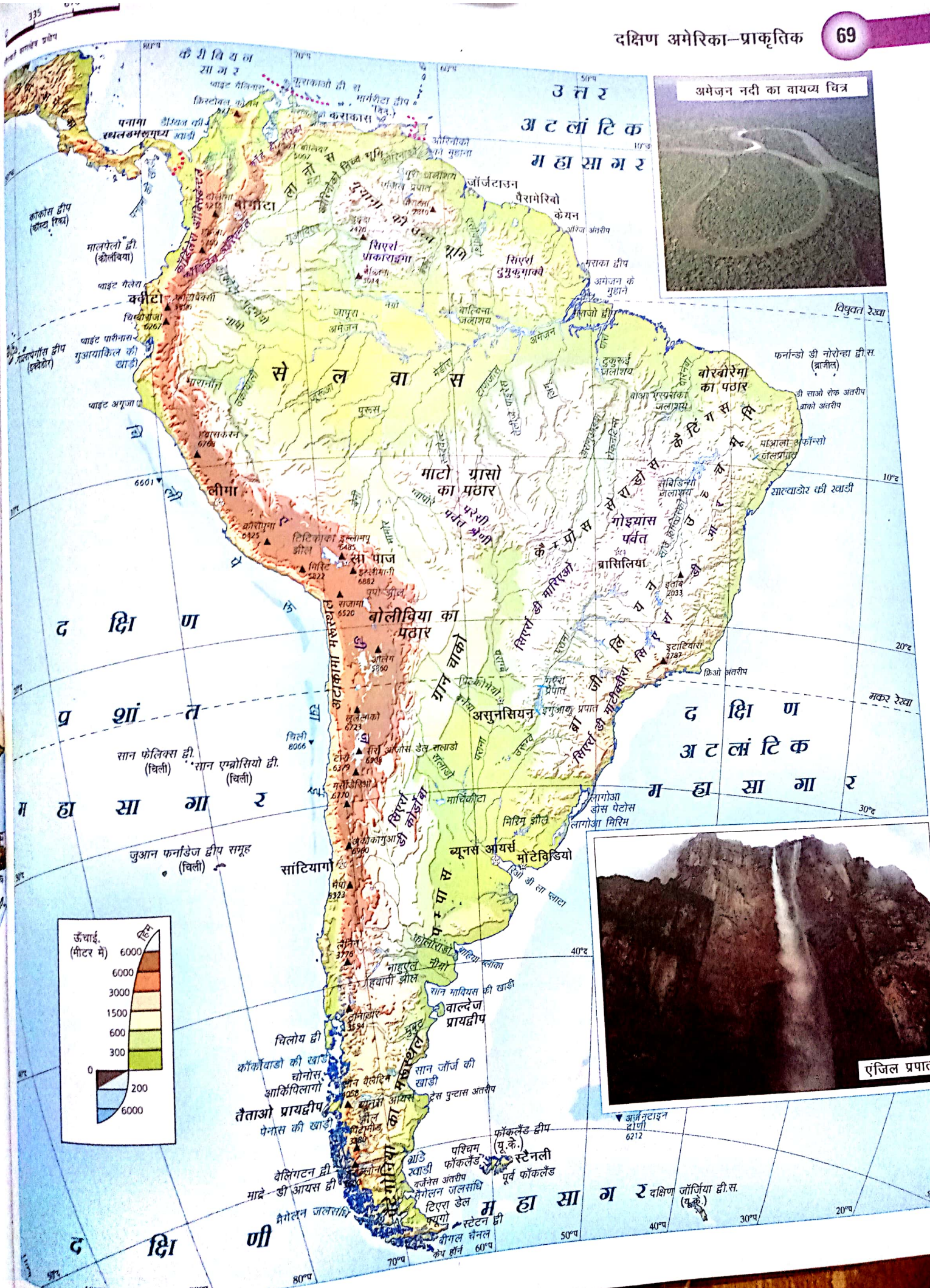
स्कॉटिश तट

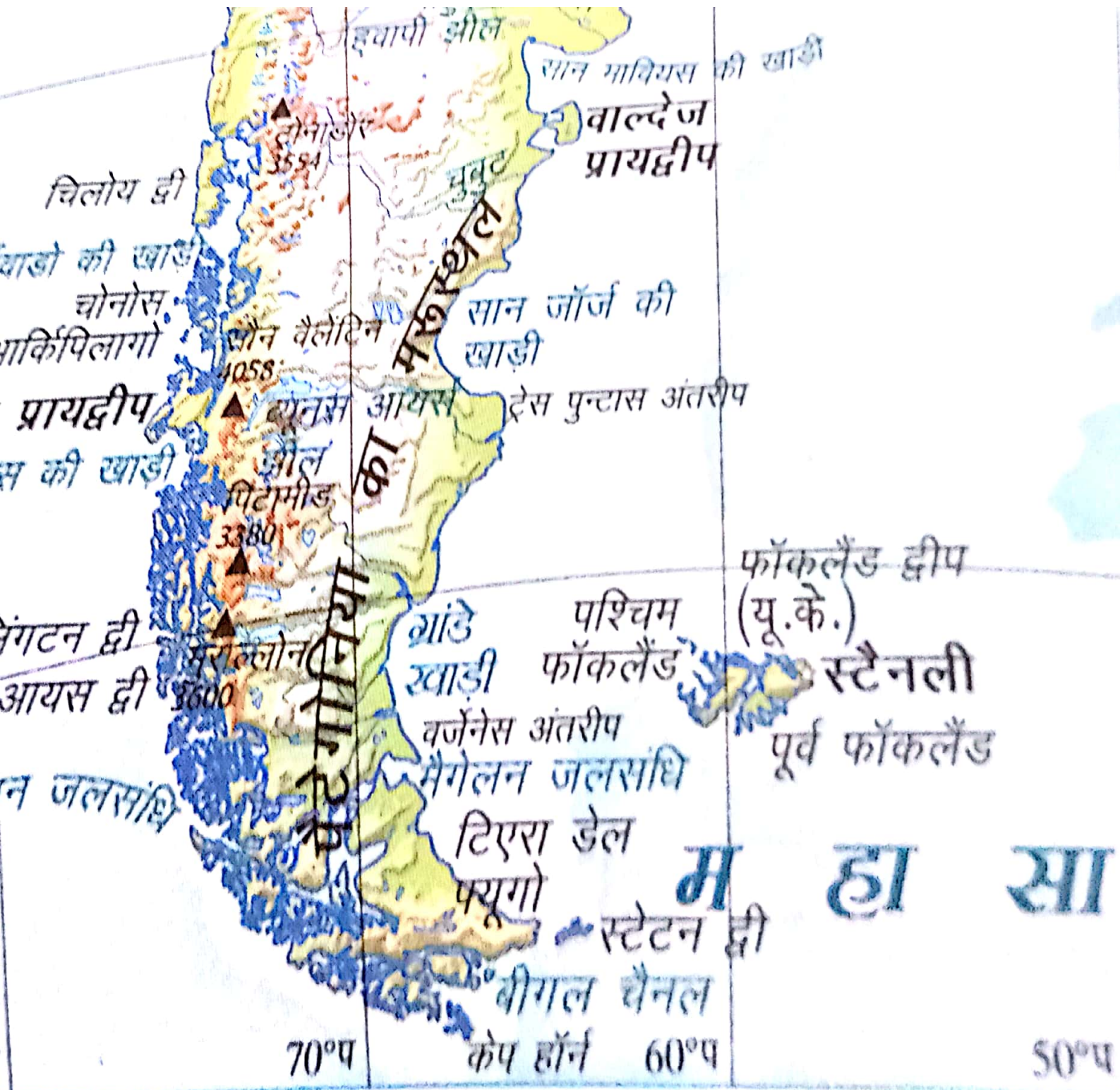














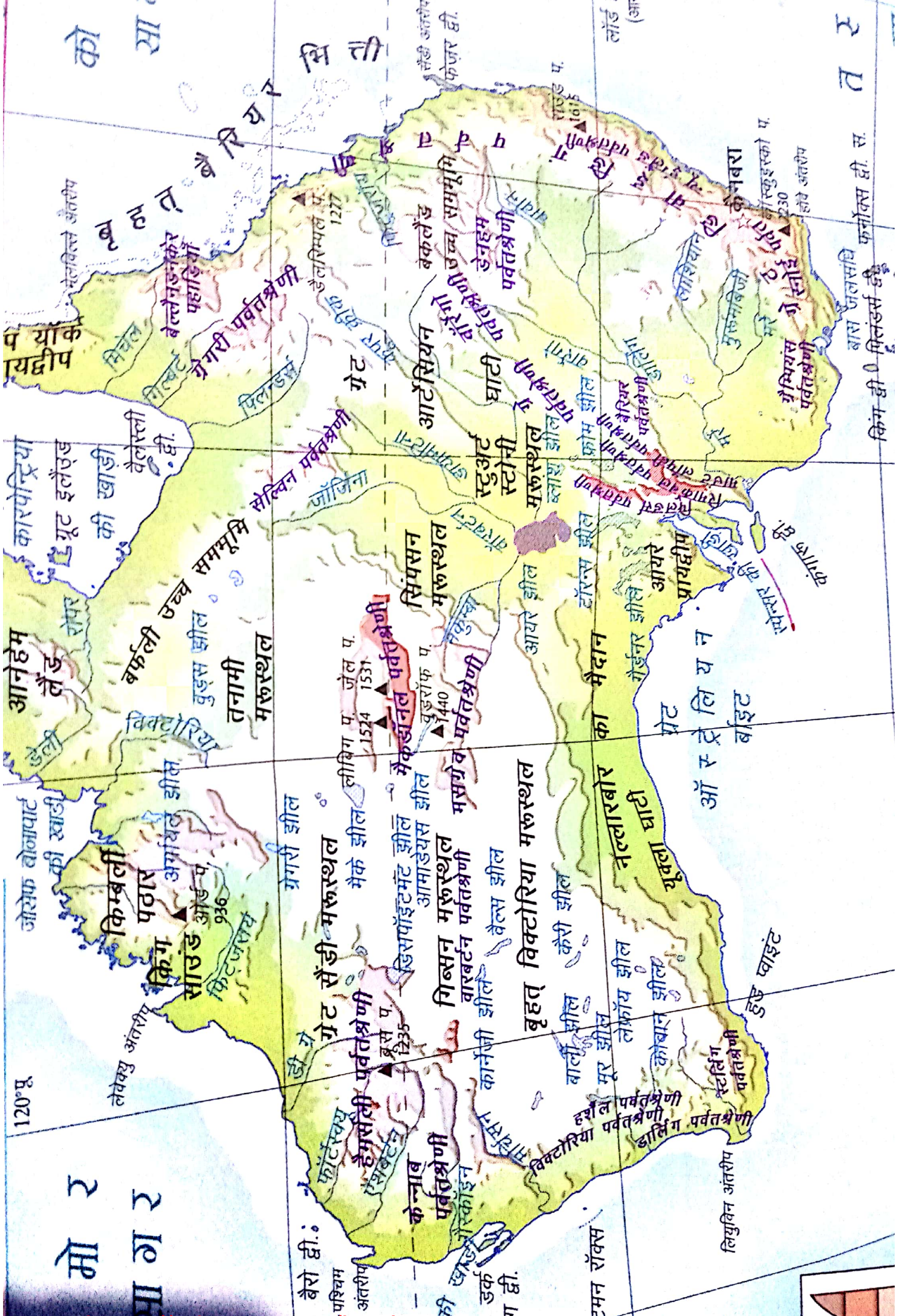




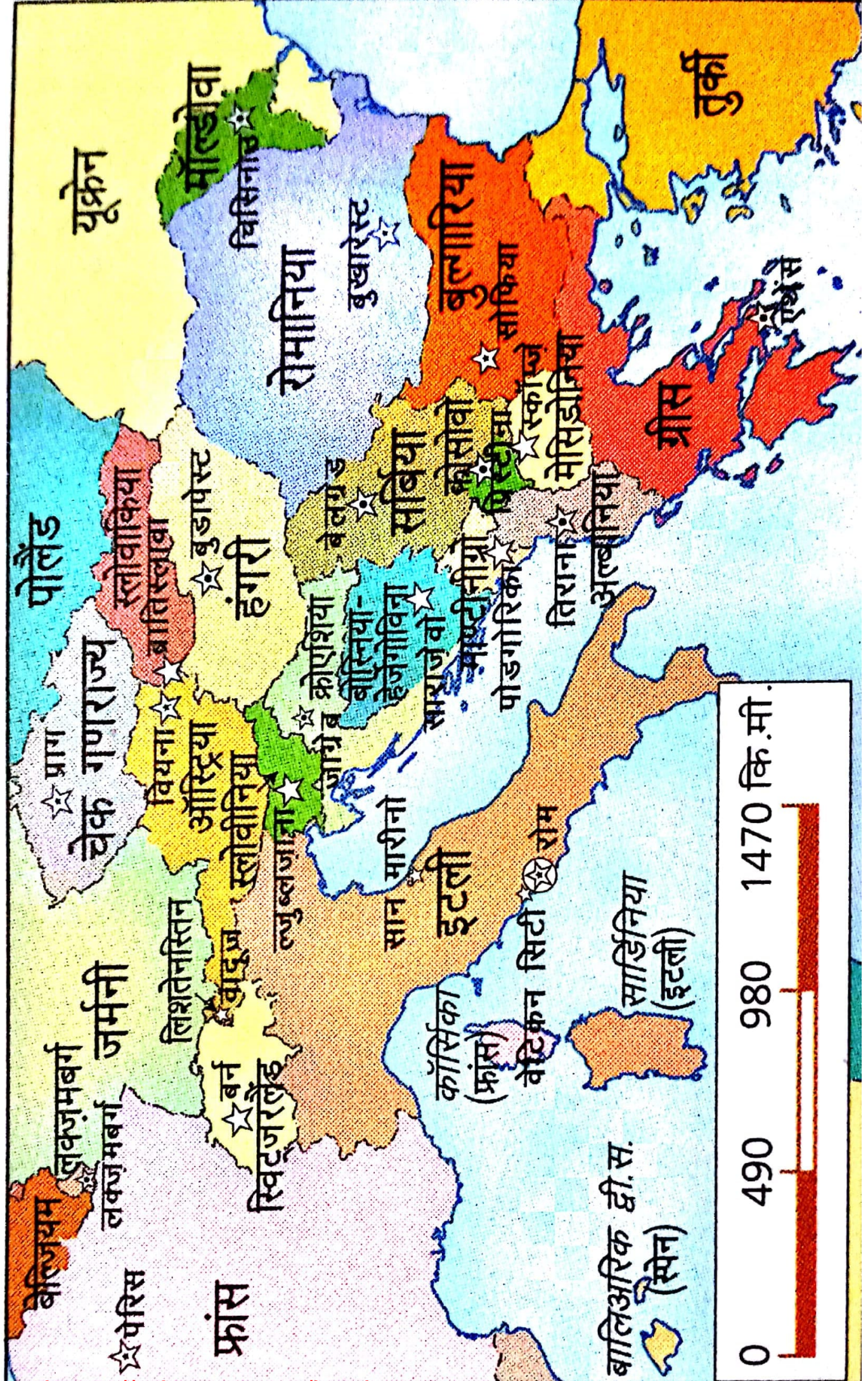


0 साल
 0 बोआ विस्ता
 0 मैओ
 0 प्राइया
 साओ तियाना
 फोगो 50
केप वर्दे

असेन्सियाँ वी.
 4 (यू.के.)

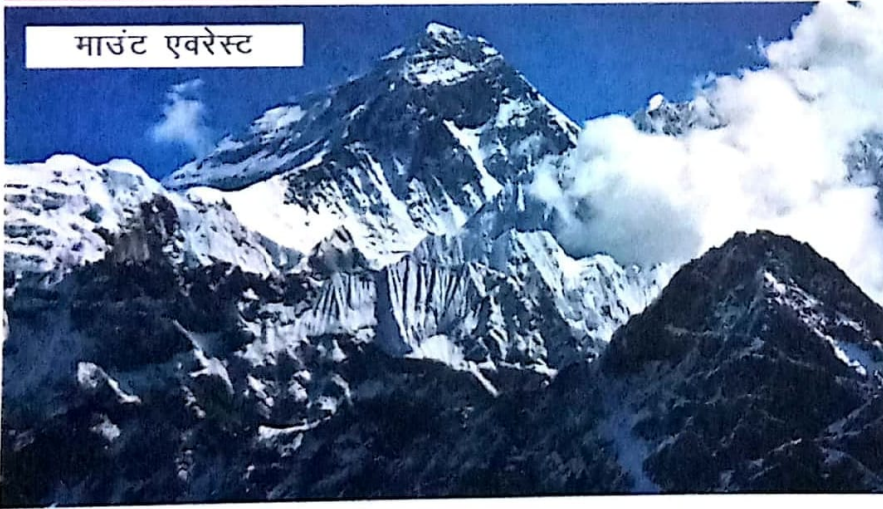






जल	335,710,000	150,522,000	69.29
महाद्वीप			
एशिया	45,036,492	17,388,686	30.27
अफ्रीका	30,343,578	11,715,721	20.39
उत्तर अमेरिका	24,680,331	9,529,129	16.59
दक्षिण अमेरिका	17,815,420	6,878,572	11.97
अंटार्कटिका	12,093,000	4,669,133	8.13
यूरोप	9,908,599	3,825,731	6.66
ऑस्ट्रेलिया एवं महासागरीय	8,923,000	3,405,792	6.00
विश्व - स्थल	148,800,420	57,412,764	100.00
महासागर			
प्रशांत महासागर	166,241,000	64,186,000	49.52
अटलांटिक महासागर	86,557,000	33,420,000	25.78
हिंद महासागर	73,427,000	28,350,000	21.87
आर्कटिक महासागर	9,485,000	24,566,000	2.83
विश्व - जल	335,710,000	150,522,000	100.00

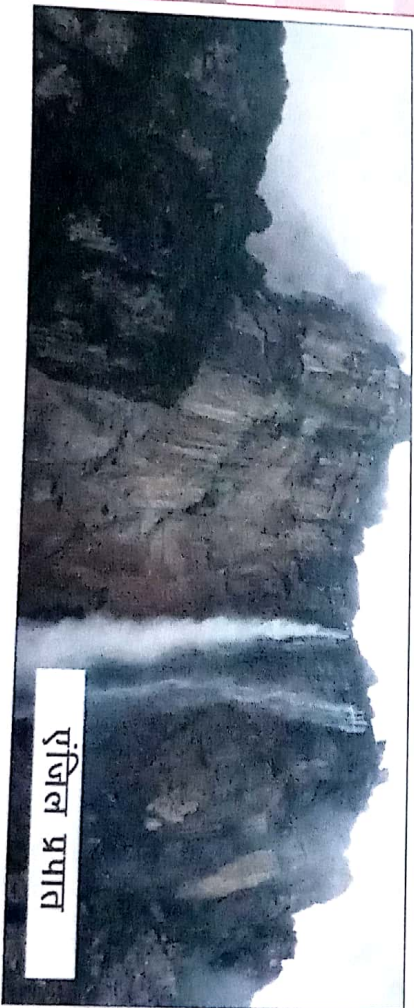
यूटमाउंट	नाम	उचाई (मी./फीट)	
मोमे	मासटीन, नॉर्वे	मोंगेबेक	774
गोवटा कारारेवट्स	चाचापोयास, पेरू	--	771
गुटाराट्जी	एन्यांग्रा राष्ट्रीय उद्यान, जिम्बाब्वे	गुटाराट्जी	762
योसेमाइट	योसेमाइट राष्ट्रीय उद्यान, कैलिफोर्निया	योसेमाइट क्रीक	739



विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर			
शिखर	स्थल	ऊँचाई (मी./फीट)	
माउंट एवरेस्ट	नेपाल / तिब्बत	8,850 / 29,035	नील
के2	भारत	8,611 / 28,251	आमेज
कंचनजंगा	भारत / नेपाल	8,586 / 28,169	चांग
ल्होत्से	नेपाल	8,516 / 27,939	गिसि
मकालू	नेपाल	8,463 / 27,765	ओब-
छो ओय	नेपाल / चीन	8,201 / 26,906	येनि
धौलागिरी	नेपाल	8,167 / 26,794	दांग
मानसलू	नेपाल	8,163 / 26,781	कांग
नंगा पर्वत	भारत	8,126 / 26,660	परा
अन्नपूर्णा I	नेपाल	8,091 / 26,545	मेका

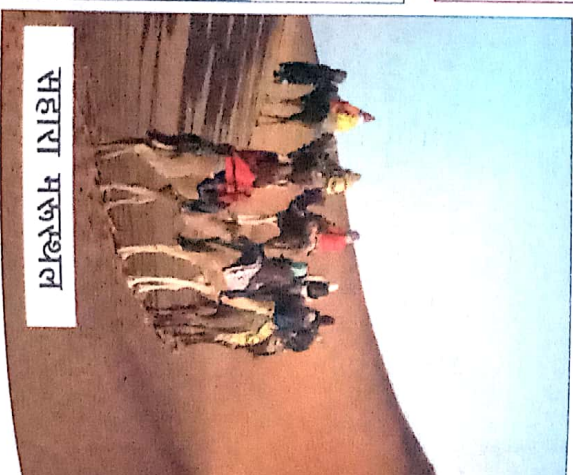
विश्व, महाद्वीप एवं महासागर			
विश्व	वर्ग किमी	मील	प्रतिशत
विश्व	484,510,420	207,934,764	---
स्थल	148,800,420	57,412,764	30.71
जल	335,710,000	150,522,000	69.29
महाद्वीप			
एशिया	45,036,492	17,388,686	30.27
अफ्रीका	30,343,578	11,715,721	20.39
उत्तर अमेरिका	24,680,331	9,529,129	16.59
दक्षिण अमेरिका	17,815,420	6,878,572	11.97
अंटार्कटिका	12,093,000	4,669,133	8.13
यूरोप	9,908,599	3,825,731	6.66
ऑस्ट्रेलिया एवं महासागरीय	8,923,000	3,405,792	6.00
विश्व - स्थल	148,800,420	57,412,764	100.00
महासागर			
प्रशांत महासागर	166,241,000	64,186,000	49.52
अटलांटिक महासागर	86,557,000	33,420,000	25.78
हिंद महासागर	73,427,000	28,350,000	21.87
आर्कटिक महासागर	9,485,000	24,566,000	2.83
विश्व - जल	335,710,000	150,522,000	100.00

प्रसिद्ध जल प्रपात			
नाम	स्थल	स्रोत / नदी	ऊँचाई (मी.)
एंजिल	कनैमा राष्ट्रीय उद्यान, वेनेजुएला	रिओ कारोनी की उपरी सहायक नदी	979
टुगोला	नटालनाटल उद्यान, दक्षिण अफ्रीका	टुगोला	947
यूटिंगॉर्ड	नॉर्वे	नलेशियर स्ट्रीम	800
मोंगे	मार्सडीन, नॉर्वे	मोंगेबेक	774
गोक्टा	बाबापोयास, पेरू	--	771
कटारैक्ट्स			
मुटाराट्जी	एन्यांगा राष्ट्रीय उद्यान, जिम्बाब्वे	मुटाराट्जी	762
योसेमाइट	योसेमाइट राष्ट्रीय उद्यान, कैलिफोर्निया	योसेमाइट क्रीक	739



एंजिल प्रपात

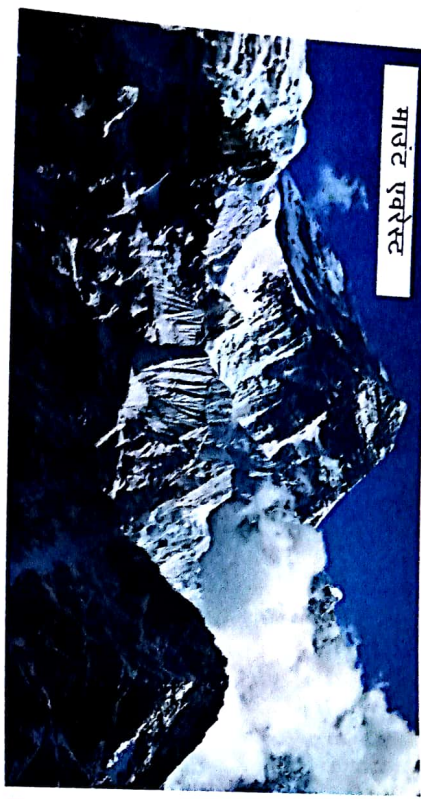
विश्व के विशाल मरुस्थल		
मरुस्थल	स्थान	वर्ग किमी
सहारा	उत्तर अफ्रीका	9,065,000
गोबी	मंगोलिया-चीन	1,285,000
कालाहारी	दक्षिणी अफ्रीका	582,000
ग्रेट विकटोरिया	ऑस्ट्रेलिया	338,500
ग्रेट सैंडी	ऑस्ट्रेलिया	338,500



सहारा मरुस्थल

विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर एवं लम्बी नदियाँ

अटॉमिक	12,093,000	4,669,133	8.13
यूरोप	9,908,599	3,825,731	6.66
ऑस्ट्रेलिया एवं महासागरीय	8,923,000	3,405,792	6.00
हिन्द - एशियन	148,800,420	57,412,764	100.00
महासागर			
प्रशांत महासागर	166,241,000	64,186,000	49.52
अटॉमिक महासागर	86,557,000	33,420,000	25.78
हिंद महासागर	73,427,000	28,350,000	21.87
आर्कटिक महासागर	9,485,000	24,566,000	2.83
विश्व - जल	335,710,000	150,522,000	100.00



माउंट एवरेस्ट



रुजिल प्रपात



सहारा मकरधूल

शिवर	स्थल	शिखर के प्रमुख पर्वत शिखर एवं लम्बी नदियाँ	देश
माउंट एवरेस्ट	नेपाल/तिब्बत	8,850/29,035	चीन
कै२	भारत	8,611/28,251	आमेजन
कंचनजंघा	भारत/नेपाल	8,586/28,169	चांग जियांग (यांगसी)
ल्लोत्से	नेपाल	8,516/27,939	मिसिसिपी मिसौरी
मकालू	नेपाल	8,463/27,765	ओब-इरतीरा
छो ओय	नेपाल/चीन	8,201/26,906	सेनसे-अंगारा
धौलागिरी	नेपाल	8,167/26,794	व्हांग डी (सेलो)
मानसलू	नेपाल	8,163/26,781	कांगो
नंगा पर्वत	भारत	8,126/26,660	पयना (रिबे शी ला प्वाल)
अन्नपूर्णा I	नेपाल	8,091/26,545	नेकांग

महादीप	एशिया	यूरोप	उत्तर अमेरिका	दक्षिण अमेरिका	अफ्रीका	महासागरीय	अटॉमिक
क्षेत्रफल (वर्ग किमी में)	45,036,492	9,908,599	24,680,331	17,815,420	30,343,578	8,923,000	12,093,000
अनुमानित जनसंख्या (हजारों में)	3,679,737	727,986	315,915	349,510	795,671	31,043	...
देशों की संख्या	48	50	23	12	54	14	...
उच्चतम बिंदु	मा. एवरेस्ट, नेपाल/चीन; 29,035 फीट (8,850 मी.)	एल्ब्रस, रूस/जॉर्जिया; 18,510 फीट (5,642 मी.)	मा. मैककिनले, अलास्का; 20,320 फीट (6,194 मी.)	मा. एकाकागुआ, अर्जेन्टीना; 22,834 फीट (6,960 मी.)	मा. किनिमंजारो, तंजानिया; 19,340 फी (5,895 मी.)	कोरिक्वस्को, ऑस्ट्रेलिया; 7,316 फीट (2,228 मी.)	विस्मन मैसिफ, एस्तर्व मा. 16,066 फीट (4,897 मी.)
न्यूनतम बिंदु	मृत सागर; 1,341 फीट समुद्र तल के नीचे (-409 मी.)	कैस्पियन सागर तट; 92 फीट समुद्र तल के नीचे (-28 मी.)	डेथ घाटी; 282 फीट समुद्र तल के नीचे (-86 मी.)	माल्देस प्रायद्वीप; 131 फीट समुद्र तल के नीचे (-40 मी.)	अस्साल झील; 512 फीट समुद्र तल के नीचे (-156 मी.)	आयर झील; 52 फीट समुद्र तल के नीचे (-16 मी.)	8,327 फीट समुद्र तल के नीचे (-2,538 मी.)
बृहत् द्वीप	ग्रीनलैंड; 745,561 वर्ग किमी	ग्रैंट बिटेन; 218,476 वर्ग किमी	ग्रीनलैंड; 2,175,600 वर्ग किमी	टिपरा डेल प्यूपुरो; 47,000 वर्ग किमी	शैडगारकर; 587,040 वर्ग किमी	न्यू गिन्नी; 808,510 वर्ग किमी	...
लम्बी नदी	चांग जियांग (यांगसी); 6,380 किमी	वोलगा; 3,688 किमी	मिसिसिपी-मिसौरी; 5,969 किमी	आमेजन; 6,516 किमी	नील; 6,695 किमी	मरू-जार्जिंग; 3,750 किमी	...
बृहत् झील	कैस्पियन सागर; 371,000 वर्ग किमी	लाडोगा झील; 18,390 वर्ग किमी	युपीरियर झील; 82,100 वर्ग किमी	टिटिकाका झील; 8,340 वर्ग किमी	विक्टोरिया झील; 68,800 वर्ग किमी	आयर झील; 9,000 वर्ग किमी	...

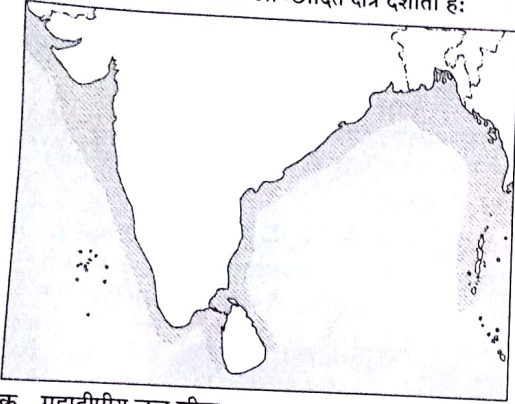
ऑक्सफ़र्ड स्टूडेंट एटलस

(प्रतियोगिता-परीक्षा हेतु सहायक)

निम्नलिखित प्रश्न इस एटलस में दी गयी जानकारी तथा मानचित्रों पर आधारित हैं। इन प्रश्नों की संरचना संघ लोक सेवा आयोग, राजकीय लोक सेवा आयोग तथा अन्य परीक्षण संस्थाओं द्वारा संचालित परीक्षा प्रणाली के अनुरूप किया गया है।

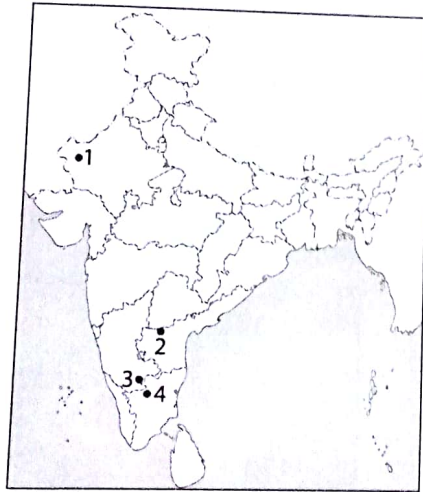
भूगोल

1. भारत की तटरेखा से संलग्न आच्छादित क्षेत्र दर्शाता है:

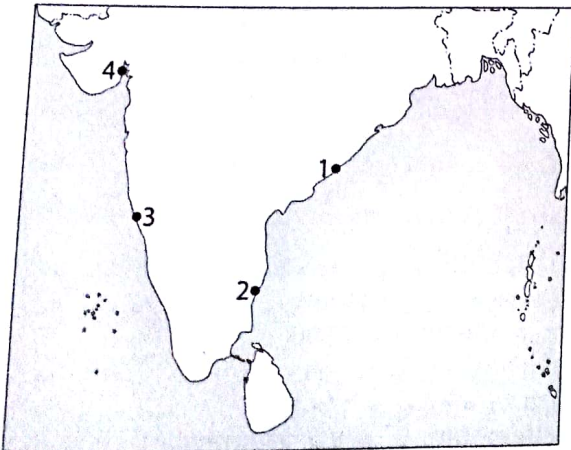


- क. महाद्वीपीय जल सीमा
ख. तलछटी कटिबंध
ग. समुद्री आर्थिक कटिबंध
घ. तटवर्ती प्रदूषण कटिबंध
2. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा क्षेत्र सौर्य परियोजना स्थल है?

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4

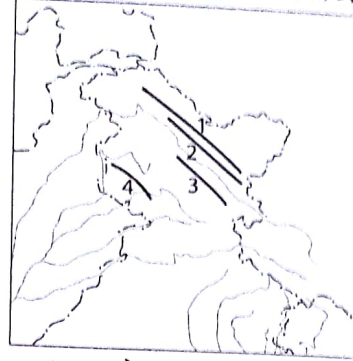


3. मानचित्र में अंकित चार स्थलों में से कौन सा स्थल प्रमुख बंदरगाह है?



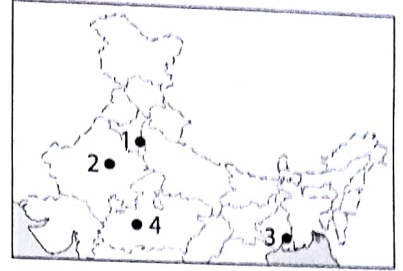
- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4

4. मानचित्र में अंकित पर्वत शृंखलाएं 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



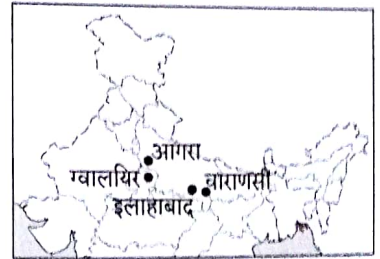
- क. 1: काराकोरम, 2: लद्दाख, 3: ज़ास्कर, 4: पीर पंजाल
ख. 1: पीर पंजाल, 2: ज़ास्कर, 3: लद्दाख, 4: काराकोरम
ग. 1: काराकोरम, 2: ज़ास्कर, 3: पीर पंजाल, 4: लद्दाख
घ. 1: लद्दाख, 2: काराकोरम, 3: ज़ास्कर, 4: पीर पंजाल
5. मानचित्र में अंकित तीन क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं तथा एक घरेलु हवाई अड्डा है। घरेलु हवाई अड्डे को चिन्हित करें।

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4



6. मानचित्र में अंकित चार क्षेत्रों में से तीन क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े हैं। कौन सा क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से नहीं जुड़ा है?

- क. आगरा
ख. इलाहाबाद
ग. ग्वालियर
घ. वाराणसी

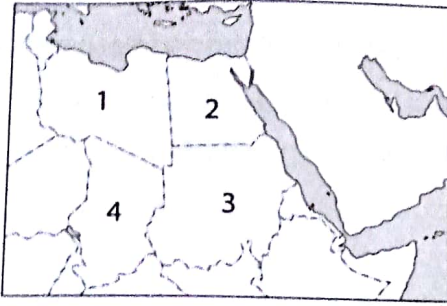


7. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा क्षेत्र अर्जेंटीना के कॉर्डोबा की सही अवस्थिति है?

- क. 2
ख. 1
ग. 4
घ. 3



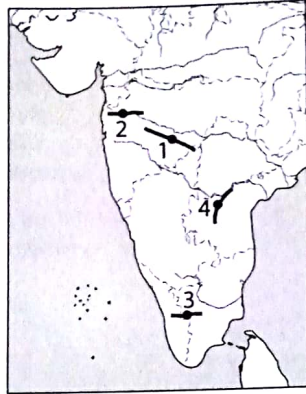
8. मानचित्र में अंकित देश 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: लीबिया, 2: मिस्र, 3: सूडान, 4: चाड
 ख. 1: चाड, 2: मिस्र, 3: सूडान, 4: लीबिया
 ग. 1: मिस्र, 2: सूडान, 3: चाड, 4: लीबिया
 घ. 1: लीबिया, 2: चाड, 3: सूडान, 4: मिस्र

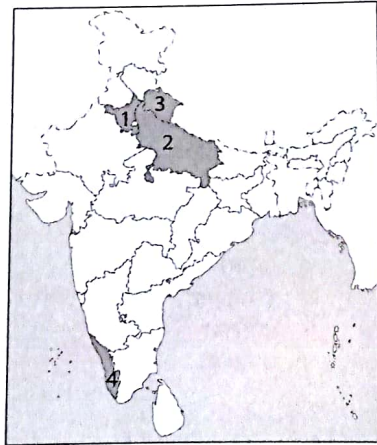
9. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं:

- क. 1: थालघाट गैप, 2: पालघाट गैप, 3: नांदयाल घाटी, 4: थालघाट शृंखला,
 ख. 1: पालघाट गैप, 2: थालघाट गैप, 3: बालाघाट शृंखला, 4: नांदयाल घाटी
 ग. 1: बालाघाट शृंखला, 2: नांदयाल घाटी, 3: पालघाट गैप, 4: थालघाट गैप,
 घ. 1: बालाघाट शृंखला, 2: थालघाट गैप, 3: पालघाट गैप, 4: नांदयाल घाटी



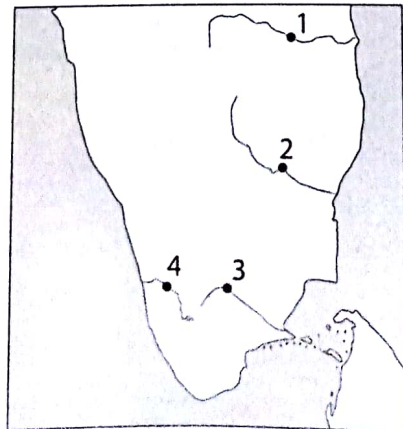
10. मानचित्र में अंकित 1, 2, 3, तथा 4 में से लिंग अनुपात का घटते क्रम में सही अवस्थिति कौन सी है?

- क. 1, 2, 3 तथा 4
 ख. 2, 1, 3 तथा 4
 ग. 4, 3, 2 तथा 1
 घ. 3, 2, 4 तथा 1



11. मानचित्र में अंकित 1, 2, 3, तथा 4 नदियाँ हैं:

- क. 1: पेरियार, 2: पेन्नेरू, 3: पोन्नईयार, 4: वैगई
 ख. 1: पेन्नेरू, 2: पोन्नईयार, 3: वैगई, 4: पेरियार
 ग. 1: पोन्नईयार, 2: वैगई, 3: पेरियार, 4: पेन्नेरू
 घ. 1: वैगई, 2: पोन्नईयार, 3: पेन्नेरू, 4: पेरियार

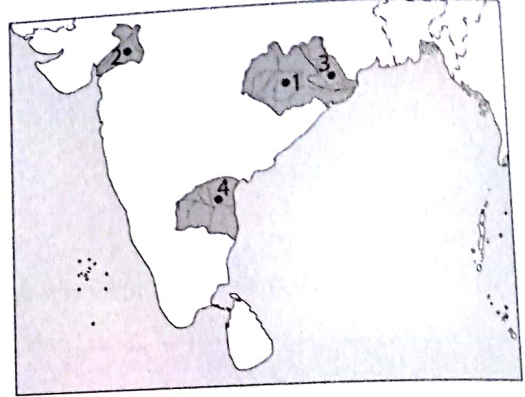


12. मानचित्र में अंकित पूर्वी रेल के रेलवे स्टेशन 1, 2, 3, तथा 4 हैं:

- क. 1: भागलपुर, 2: आसनसोल, 3: कृष्णानगर, 4: बहरामपुर
 ख. 1: भागलपुर, 2: कृष्णानगर, 3: बहरामपुर, 4: आसनसोल
 ग. 1: भागलपुर, 2: बहरामपुर, 3: कृष्णानगर, 4: आसनसोल
 घ. 1: बहरामपुर, 2: कृष्णानगर, 3: आसनसोल, 4: भागलपुर

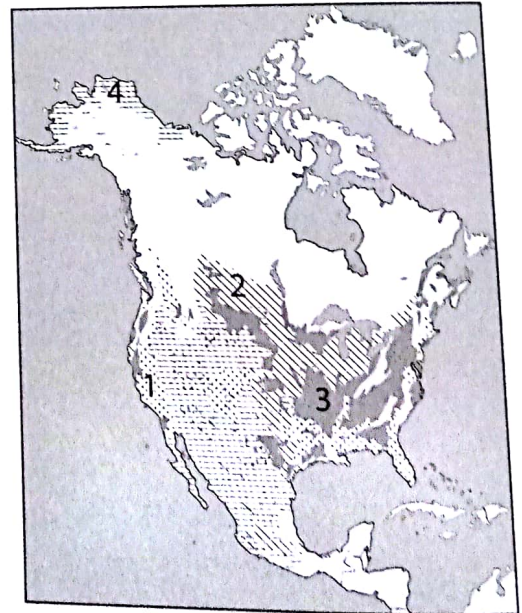


13. मानचित्र में अंकित जल निकासी बेसिन 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



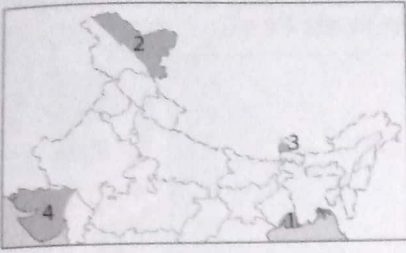
- क. 1: ब्राह्मणी, 2: महानदी, 3: पेन्नेरू, 4: माहि
 ख. 1: महानदी, 2: पेन्नेरू, 3: माहि, 4: ब्राह्मणी
 ग. 1: महानदी, 2: माहि, 3: ब्राह्मणी, 4: पेन्नेरू
 घ. 1: ब्राह्मणी, 2: महानदी, 3: माहि, 4: पेन्नेरू

14. मानचित्र में अंकित उत्तर अमेरिका के क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 किन वस्तुओं के लिए प्रख्यात है?



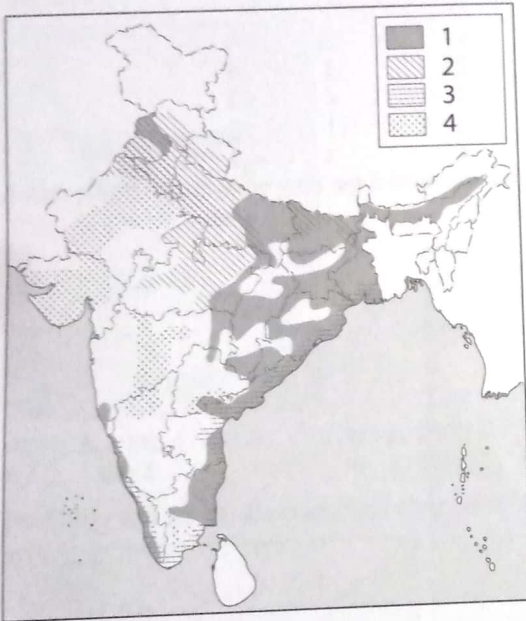
- क. 1: खानाबदोश पशुचारण, 2: कृषि योग्य, 3: काष्ठ वन, 4: कृषि योग्य एवं चारागाह
 ख. 1: खानाबदोश पशुचारण, 2: काष्ठ वन, 3: कृषि योग्य एवं चारागाह, 4: कृषि योग्य
 ग. 1: खानाबदोश पशुचारण, 2: कृषि योग्य एवं चारागाह, 3: काष्ठ वन, 4: कृषि योग्य
 घ. 1: काष्ठ वन, 2: कृषि योग्य, 3: कृषि योग्य एवं चारागाह, 4: खानाबदोश पशुचारण

15. मानचित्र में अंकित 1, 2, 3, तथा 4 प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार हैं:



- क. 1: मैंग्रोव, 2: मरुस्थलीय, 3: अधो उष्णकटिबंधीय, 4: उष्णकटिबंधी कटीले
 ख. 1: मरुस्थलीय, 2: अधो उष्णकटिबंधीय, 3: उष्णकटिबंधी कटीले, 4: मैंग्रोव
 ग. 1: मैंग्रोव, 2: अधो उष्णकटिबंधीय, 3: उष्णकटिबंधी कटीले, 4: मरुस्थलीय
 घ. 1: उष्णकटिबंधी कटीले, 2: अधो उष्णकटिबंधीय, 3: मैंग्रोव, 4: मरुस्थलीय

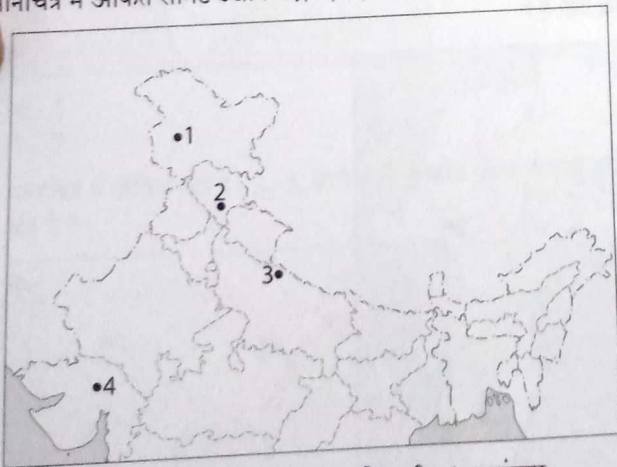
16. मानचित्र में अंकित तीन आच्छादित क्षेत्र खाद्य फसल के उत्पाद को दर्शाते हैं। मानचित्र में अंकित चौथा आच्छादित क्षेत्र नकदी फसल दर्शाते हैं। मानचित्र को देख कर नकदी फसल उत्पाद करने वाले क्षेत्र को चुनें।



- क. 1
ग. 3

- ख. 2
घ. 4

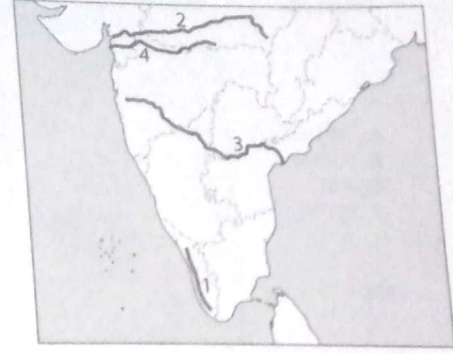
मानचित्र में अंकित सीमेंट उद्योग केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



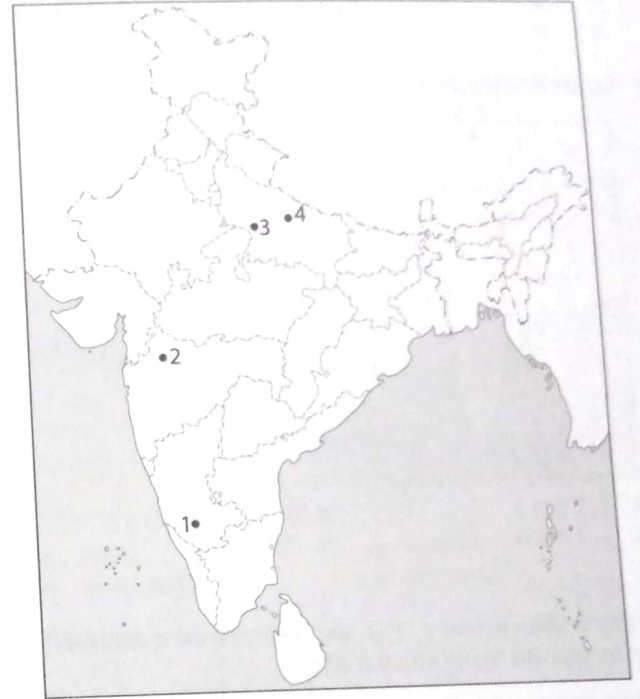
- क. 1: मुरादाबाद, 2: अहमदाबाद, 3: भिवानी, 4: अनंतपुर
 ख. 1: मुरादाबाद, 2: नंगल, 3: अहमदाबाद, 4: अनंतपुर
 ग. 1: श्रीनगर, 2: नंगल, 3: मुरादाबाद, 4: अहमदाबाद
 घ. 1: अलवर, 2: मुरादाबाद, 3: अनंतपुर, 4: भिवानी

18. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय जलमार्ग है?

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4



19. मानचित्र में अंकित वायुयान उद्योग केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: नासिक, 2: कानपुर, 3: लखनऊ, 4: बेंगलूरु
 ख. 1: कानपुर, 2: लखनऊ, 3: बेंगलूरु, 4: नासिक
 ग. 1: लखनऊ, 2: कानपुर, 3: नासिक, 4: बेंगलूरु
 घ. 1: बेंगलूरु, 2: नासिक, 3: कानपुर, 4: लखनऊ

20. मानचित्र में निजाम सागर डैम क्षेत्र है:

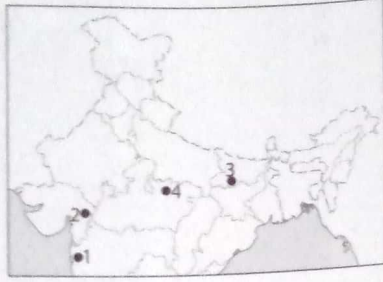


- क. 1
ग. 3

- ख. 2
घ. 4

21. मानचित्र में अंकित विश्व विरासत क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें।

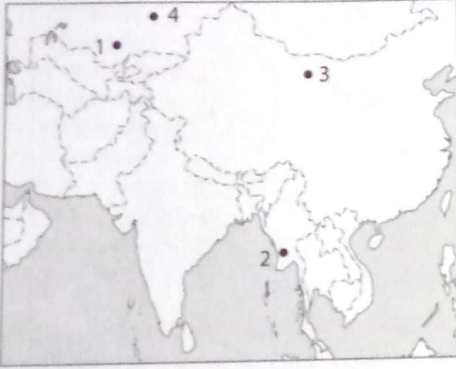
क. खजुराहो
ख. पावागढ़
ग. गया
घ. एलीफैंटा



कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	3	4	1
ग.	4	2	3	1
घ.	3	2	1	4

22. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन परमाणु परीक्षण क्षेत्र हैं?



क. 1, 2 तथा 3
ग. 1, 3 तथा 4

ख. 1, 2, 3 तथा 4
घ. 2, 3 तथा 4

23. मानचित्र में अंकित बंदरगाह 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



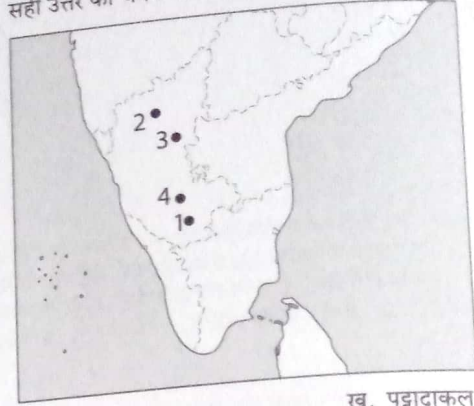
क. ओखा
ग. तालस्सरी

ख. वेरावल
घ. मछलीपट्टनम

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	4	2	3	1
ख.	3	2	1	4
ग.	1	4	3	2
घ.	4	3	2	1

24. मानचित्र में अंकित कर्नाटक के विश्व विरासत स्थल तथा पुरातत्व केंद्र को उनके नाम संग मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



क. श्रीरंगापट्टनम
ग. हम्पी

ख. पट्टादाकल
घ. श्रवणवेलगोला

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	1	4	3
ग.	4	3	1	2
घ.	2	4	3	1

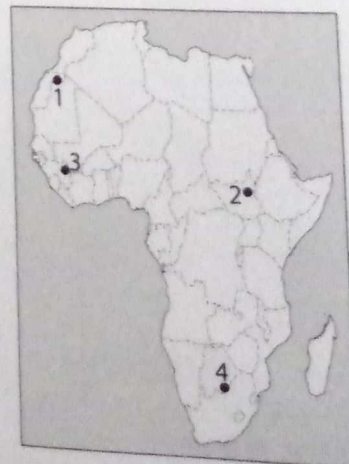
25. मानचित्र में अंकित चार स्थानों में एक स्थान पर्यावरणीय संवेदनशील स्थल है। उस क्षेत्र को पहचानें:



क. 1
ग. 3

ख. 2
घ. 4

26. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में किस क्षेत्र में विलुप्तप्रायः प्रजाति सूचीबद्ध नहीं हैं?



क. 1
ग. 3

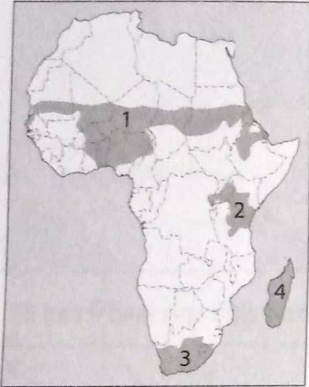
ख. 2
घ. 4

27. दक्षिण अमेरिका के मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में किस क्षेत्र में लोलुप होती जैव विविधता नहीं है?



- क. 1
ग. 3
- ख. 2
घ. 4

28. अफ्रीका के मानचित्र में अंकित क्षेत्रों में से कौन से क्षेत्र भीषण मृदा अपरदन से प्रभावित हैं?



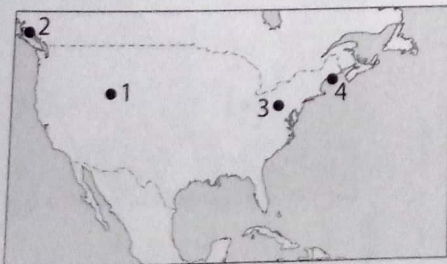
- क. 1, 2, 3 तथा 4
ग. 2, 3 तथा 4
- ख. 1, 2 तथा 3
घ. 1, 3 तथा 4

29. निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र परमाणु ऊर्जा परियोजना का क्षेत्र है?



- क. 1
ग. 3
- ख. 2
घ. 4

30. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन मुख्य परमाणु दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र है?



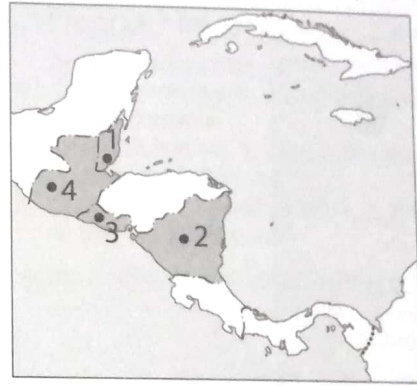
- क. 1, 2, 3 तथा 4
ग. 2, 3 तथा 4
- ख. 1, 2 तथा 3
घ. 1 तथा 3

31. मानचित्र में अंकित 1, 2 तथा 3 जलवायु क्षेत्र हैं:



- क. 1: मरुस्थलीय 2: भूमध्यसागरीय 3: आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय
ख. 1: पर्वतीय भूभाग 2: मरुस्थलीय 3: आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय
ग. 1: समुद्रीय 2: पर्वतीय भूभाग 3: सवाना
घ. 1: मरुस्थलीय 2: भूमध्यसागरीय 3: सवाना

32. मानचित्र में अंकित मध्य अमेरिका के देश 1, 2, 3 तथा 4 को उनके नाम संग मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।

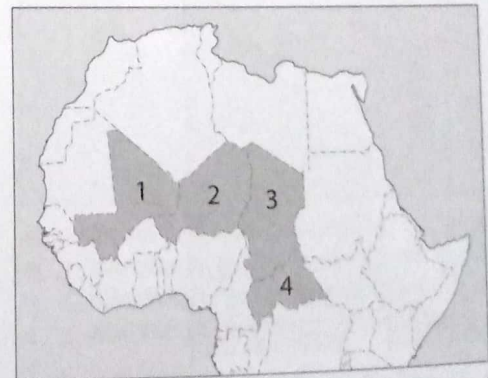


- क. बेलीज़
ग. एल साल्वाडोर
- ख. ग्वाटेमाला
घ. निकारागुआ

कोड:

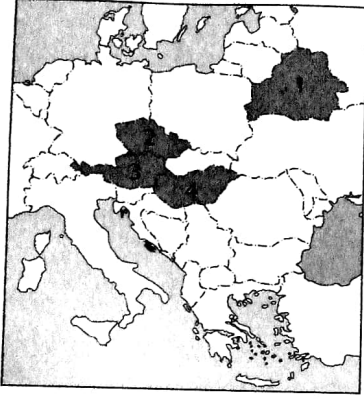
	i	ii	iii	iv
क.	4	2	3	1
ख.	3	2	4	1
ग.	1	4	3	2
घ.	4	3	2	1

33. मानचित्र में अंकित अफ्रीका के स्थल रुद्ध देश हैं। अंकित देश 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



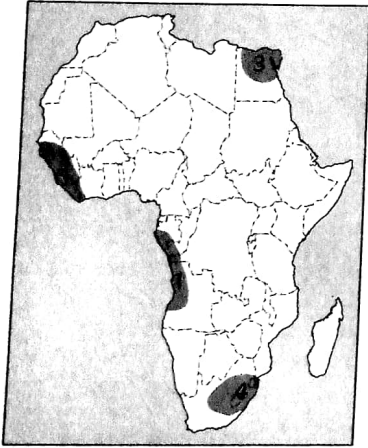
- क. 1: जाम्बिया, 2: बोत्सवाना, 3: जिम्बाब्वे, 4: मोजाम्बिक
ख. 1: माली, 2: नाइजर, 3: अंगोला, 4: तन्ज़ानिया
ग. 1: माली, 2: नाइजर, 3: चाड, 4: केन्द्रीय अफ्रीकी गणराज्य
घ. 1: जाम्बिया, 2: जिम्बाब्वे, 3: बोत्सवाना, 4: अंगोला

34. मानचित्र में यूरोप के कुछ स्थल रूढ़ देश दर्शाए गए हैं। अंकित देश 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



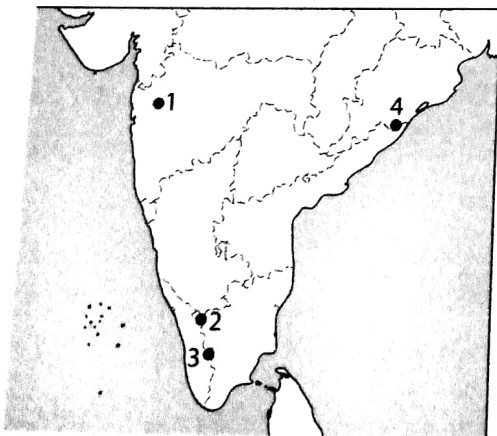
- क. 1: बेलारूस, 2: लाटविया, 3: लिथुआनिया, 4: पोलैंड
 ख. 1: बेलारूस, 2: चेक गणराज्य, 3: ऑस्ट्रिया, 4: हंगरी
 ग. 1: बेलारूस, 2: पोलैंड, 3: ऑस्ट्रिया, 4: लाटविया
 घ. 1: बेलारूस, 2: पोलैंड, 3: यूक्रेन, 4: सर्बिया

35. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में किन क्षेत्रों में तेल भण्डार हैं?



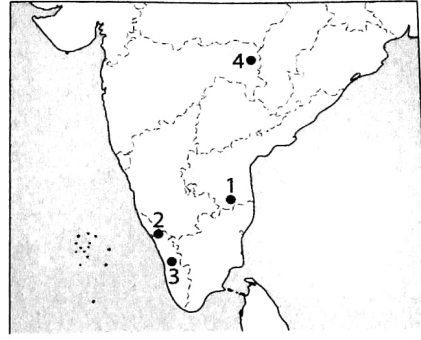
- क. 1, 2 तथा 3
 ग. 1 तथा 3
 ख. 1, 2 तथा 4
 घ. 1, 2, 3 तथा 4

36. भारत के मानचित्र में चार शिखर दर्शित हैं। अंकित शिखर 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



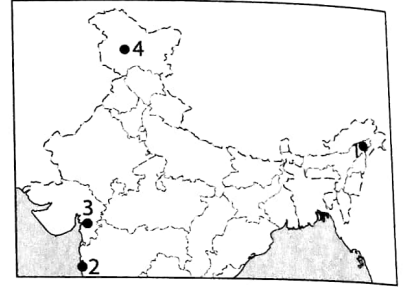
- क. 1: डोडा बेड़ा, 2: अनाई मुड़ी, 3: महेंद्रगिरी, 4: कलसुबई
 ख. 1: कलसुबई, 2: डोडा बेड़ा, 3: महेंद्रगिरी, 4: अनाई मुड़ी
 ग. 1: अनाई मुड़ी, 2: महेंद्रगिरी, 3: कलसुबई, 4: डोडा बेड़ा
 घ. 1: कलसुबई, 2: डोडा बेड़ा, 3: अनाई मुड़ी, 4: महेंद्रगिरी

37. मानचित्र में अंकित राष्ट्रीय उद्यान 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: श्री वेंकटेश्वर, 2: साइलेंट वैली, 3: नागरहोल, 4: नवेगाँव
 ख. 1: साइलेंट वैली, 2: नवेगाँव, 3: नागरहोल, 4: श्री वेंकटेश्वर
 ग. 1: नवेगाँव, 2: नागरहोल, 3: श्री वेंकटेश्वर, 4: साइलेंट वैली
 घ. 1: श्री वेंकटेश्वर, 2: नागरहोल, 3: साइलेंट वैली, 4: नवेगाँव

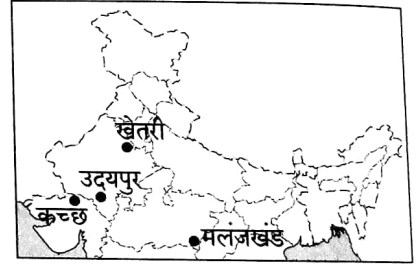
38. निम्नलिखित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा क्षेत्र पम्पोर गैस परियोजना का स्थल है?



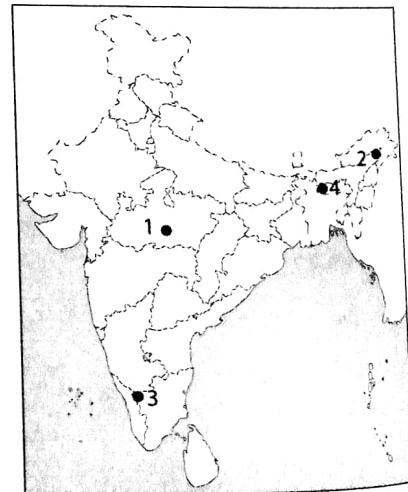
- क. 1
 ख. 2
 ग. 3
 घ. 4

39. निम्नलिखित में से किसका खनन मानचित्र में दर्शित खनन केन्द्रों में होता है?

- क. टंगस्टन
 ख. चांदी
 ग. तांबा
 घ. मैंगनीज



40. मानचित्र में अंकित जैकमंडल आरक्षित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।

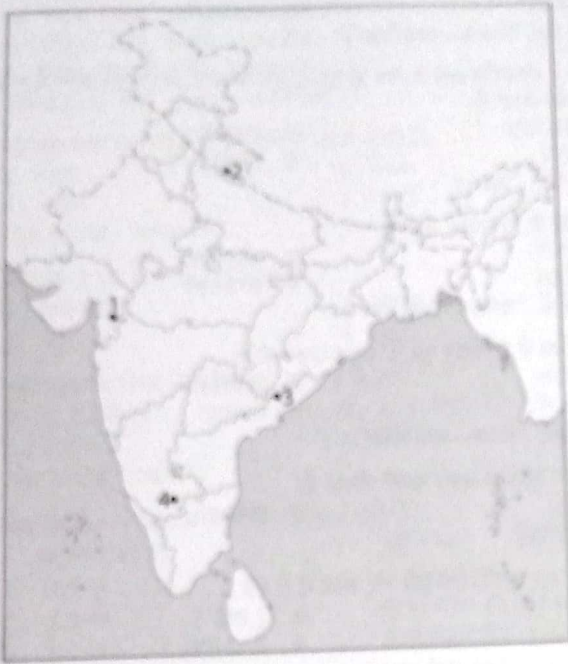


- क. नोकरेक
 ख. पंचमही
 ग. निलगिरी
 घ. डिब्रू-साइखोवा

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	4	3	2	1
ग.	2	4	3	1
घ.	4	1	3	2

41. मानचित्र में अंकित जल विद्युत् परियोजना 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



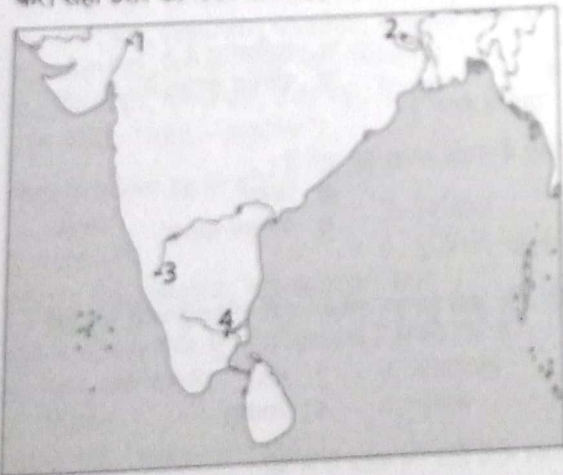
- क. रामगंगा
- ग. सरदार सरोवर

- ख. शिम्शापुरम
- घ. सिलेक

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	4	1	3
ग.	4	3	2	1
घ.	3	1	2	4

42. मानचित्र में अंकित सिंचाई परियोजना 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।

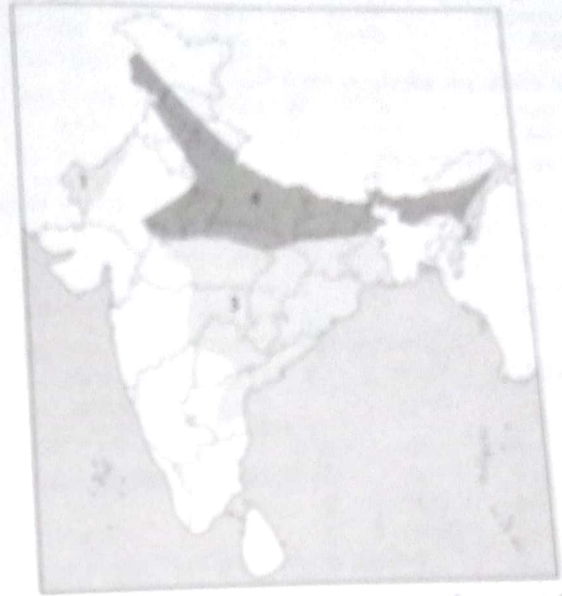


- क. ग्रैंड एनिकट
- ख. भद्रा जलाशय
- ग. मयूराक्षी
- घ. हथमती

कोड:

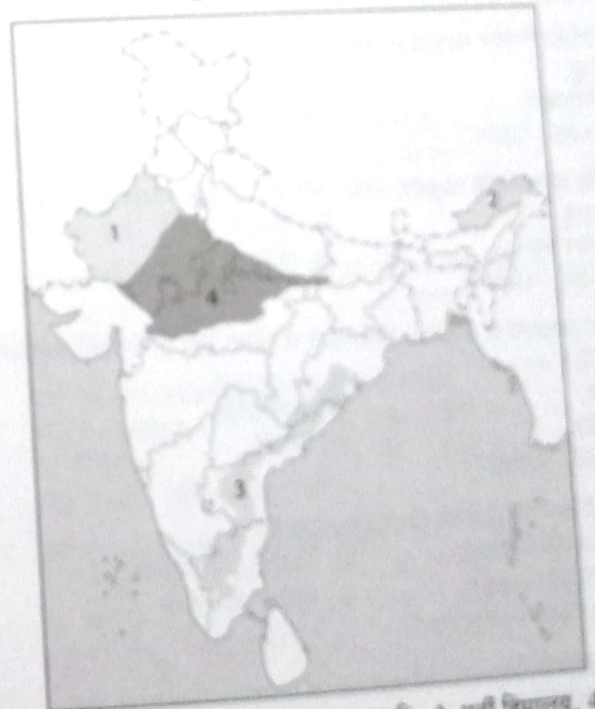
	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	4	3	1
ग.	4	3	2	1
घ.	3	2	4	1

43. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 किस प्रकार के जलवायु से संबद्ध हैं।



- क. 1: मरुस्थलीय, 2: अधो उष्णकटिबंधीय आर्द्र, 3: उष्णकटिबंधीय नम, 4: उष्णकटिबंधीय सवाना
- ख. 1: उष्णकटिबंधीय सवाना, 2: अधो उष्णकटिबंधीय आर्द्र, 3: मरुस्थलीय, 4: उष्णकटिबंधीय नम
- ग. 1: उष्णकटिबंधीय नम, 2: उष्णकटिबंधीय सवाना, 3: मरुस्थलीय, 4: अधो उष्णकटिबंधीय आर्द्र
- घ. 1: मरुस्थलीय, 2: उष्णकटिबंधीय नम, 3: उष्णकटिबंधीय सवाना, 4: अधो उष्णकटिबंधीय आर्द्र

44. मानचित्र में अंकित प्रमुख भू-आकृतिक क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं।



- क. 1: पश्चिमी मैदान, 2: मध्य उच्चभूमि, 3: पूर्वी हिमालय, 4: पूर्वी घाट
- ख. 1: मध्य उच्चभूमि, 2: पूर्वी हिमालय, 3: पूर्वी घाट, 4: पश्चिमी मैदान
- ग. 1: पश्चिमी मैदान, 2: पूर्वी हिमालय, 3: पूर्वी घाट, 4: मध्य उच्चभूमि
- घ. 1: मध्य उच्चभूमि, 2: पूर्वी घाट, 3: पश्चिमी मैदान, 4: पूर्वी हिमालय

45. इन नगरों को देखें:
- | | |
|-------------|-----------|
| 1. अहमदाबाद | 2. उदयपुर |
| 3. राँची | 4. आइजॉल |
- इनमें से कौन सा नगर कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है ?
 क. 2 तथा 3 ख. 1 तथा 2
 ग. 2 तथा 4 घ. 1 तथा 4
 (पृष्ठ 9 देखें, "भारत—राजनैतिक")
46. सूची-1 (राष्ट्रीय उद्यान) को सूची-2 (राज्य) से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
- | | |
|---------------------------|--------------------|
| सूची-1 (राष्ट्रीय उद्यान) | सूची-2 (राज्य) |
| क. दाबिगम | 1. केरल |
| ख. पुष्प घाटी | 2. उत्तर प्रदेश |
| ग. दुधवा | 3. उत्तराखंड |
| घ. साइलेंट वैली | 4. जम्मू और कश्मीर |
- कोड:
- | | | | |
|------|----|-----|----|
| i | ii | iii | iv |
| क. 4 | 3 | 2 | 1 |
| ख. 3 | 4 | 1 | 2 |
| ग. 1 | 2 | 4 | 3 |
| घ. 2 | 1 | 3 | 4 |
- (पृष्ठ 27 देखें, "वन्य-जीव")
47. निम्नलिखित नदियों में किसकी अपवाह क्षेत्र सबसे बृहत् है ?
 क. कृष्णा ख. गोदावरी
 ग. महानदी घ. कावेरी
 (पृष्ठ 29 देखें, "अपवाह क्षेत्र")
48. निम्नलिखित में भारत की सुदूर दक्षिणी पहाड़ी कौन सी है ?
 क. नीलगिरी ख. कारडमम
 ग. अन्नामलाई घ. शेवारॉय
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
49. निम्नलिखित में कौन सी ऑटोमोबाइल विनिर्माण केन्द्र नहीं है ?
 क. होसूर ख. हैदराबाद
 ग. औरंगाबाद घ. जबलपुर
 (पृष्ठ 33 देखें, "उद्योग")
50. 2011 के जनगणना के अनुसार, किस राज्य की जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है ?
 क. महाराष्ट्र ख. गुजरात
 ग. पश्चिम बंगाल घ. कर्नाटक
 (पृष्ठ 40 देखें, "घनत्व")
51. 2011 के जनगणना के अनुसार, किस राज्य में गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या सर्वाधिक है ?
 क. बिहार ख. उत्तर प्रदेश
 ग. झारखंड घ. बंगाल
 (पृष्ठ 41 देखें, "निर्धनता")
52. दस डिग्री चैनल किन द्वीपों को विभाजित करता है ?
 क. अंडमान और निकोबार ख. निकोबार और सुमात्रा
 ग. मालदीव और लक्षद्वीप घ. सुमात्रा और जावा
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
53. कौन सा जोड़ा सही है ?
 1. दाम्पा टाइगर रिजर्व - मिजोरम
 2. गुमटी वन्य-जीव अभयारण्य - सिक्किम
 3. फकिम वन्य-जीव अभयारण्य - त्रिपुरा
- सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
 क. 1 तथा 3 ख. 1, 2 तथा 3
 ग. केवल 1 घ. 2 तथा 3
 (पृष्ठ 27 देखें, "वन्य-जीव")
54. नर्मदा का अधिकतम भाग किस राज्य में स्थित है ?
 क. मध्य प्रदेश ख. महाराष्ट्र
 ग. गुजरात घ. राजस्थान
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
55. मंगल एवं बृहस्पति ग्रहों के पथ के मध्य, सूर्य के चारों ओर घूमने वाले शैल के टुकड़ों को कहते हैं:
 क. छोटा तारा ख. उल्कापिंड
 ग. उल्का घ. धूमकेतु
 (पृष्ठ 4 देखें, "ब्रह्माण्ड")
56. कर्क रेखा के निकटतम नगर है:
 क. भोपाल ख. कोलकाता
 ग. बड़ोदरा घ. अगरतला
 (पृष्ठ 9 देखें, "भारत—राजनैतिक")
57. निम्नलिखित में से सबसे पूर्व में स्थित राजधानी है:
 क. ईटानगर ख. अगरतला
 ग. आइजॉल घ. कोहिमा
 (पृष्ठ 9 देखें, "भारत—राजनैतिक")
58. अरुणाचल प्रदेश में बहने वाली नदियाँ हैं:
 1. बराक 2. लोहित
 3. सुबानसिरी
- सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
 क. केवल 1 ख. 2 तथा 3
 ग. 1 तथा 3 घ. 1, 2 तथा 3
 (पृष्ठ 16 देखें, "उत्तर-पूर्वी राज्य")
59. निम्नलिखित में किनका मिलान सही है ?
- | | |
|------------------|------------------|
| पहाड़ी | क्षेत्र |
| 1. कारडमम पहाड़ी | कोरमंडल तट |
| 2. कैमूर पहाड़ी | कोंकण तट |
| 3. महादेव पहाड़ी | मध्य भारत |
| 4. मिकिर पहाड़ी | उत्तर-पूर्व भारत |
- सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
 क. 3 तथा 4 ख. 2 तथा 4
 ग. 1 तथा 2 घ. 2 तथा 3
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
60. तालचेर कोलफील्ड स्थित है:
 क. ओडिशा में ख. छत्तीसगढ़ में
 ग. झारखण्ड में घ. पश्चिम बंगाल में
 (पृष्ठ 32 देखें, "खनिज ईंधन")
61. निम्न में किस राज्य में सबसे लम्बा रेल मार्ग है ?
 क. गुजरात ख. बिहार
 ग. तमिलनाडु घ. पश्चिम बंगाल
 (पृष्ठ 37 देखें, "रेलवे")
62. दक्षिण से पूर्व की ओर आते हुए इन दक्षिण-पूर्वी एशियाई नगरों का स क्रम क्या है ?
 1. बैंकाक 2. हनोई
 3. जकार्ता 4. सिंगापुर
- सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
 क. 3-4-1-2 ख. 4-3-2-1
 ग. 4-2-1-3 घ. 3-2-4-1
 (पृष्ठ 49 देखें, "एशिया-राजनैतिक")
63. निम्नलिखित में किनका मिलान सही है ?
- | | |
|-----------------|---------------|
| राज्य | प्रमुख उत्पाद |
| 1. कर्नाटक | मक्का |
| 2. पंजाब | दाल |
| 3. मध्य प्रदेश | मक्का |
| 4. उत्तर प्रदेश | गन्ना |
- सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
 क. 1, 2 तथा 3 ख. इनमें से कोई नहीं
 ग. 1 तथा 4 घ. 1 तथा 3
 (पृष्ठ 30-31 देखें, "खाद्य फसलें एवं नकदी फसलें")

सावधान


हमारी टेलीग्राम चैनल @booksmag जो एक प्रिमियम मगैजिन, बूक्स ओर साहित्य की No 1 चैनल है। जहाँ पर सबसे पहले मेगेजीन रखे जाते है। हमारी चैनल से ही दूसरी चैनल वाले मगैजिन लेकर अपनी चैनल में रखते है। अगर यह मगैजिन आपको दूसरी चैनल से मिले है तो आप समज सकते है।कि आपको क्या करना है। तुरत ही हमारी असली चैनलो से जुड़े जीसकी लिंक आगे के पेज पे रखी है। पेज पे क्लिक करते ही हमारी चैनल खुल जाएगी जहाँ जॉइन पर क्लिक करते ही आप चैनल से जुड़ जाएंगे । और हमती दूसरी चैनलो से भी जुड़े।



Master Of Books And Mag

3 175 members

ગુજરાતી,હિન્દી અને અંગ્રેજી ભાષા માં બુક્સ અને મેગેજીન વાંચવા માટે એક માત્ર ચેનલ.. આપના જ્ઞાન જિજ્ઞાસું મિત્રો ને મોકલો.

आपके सुजाव या एडमिन से संपर्क की लिंक  ...

[VIEW CHANNEL](#)

If you have **Telegram**, you can view and join **Master Of Books And Mag** right away.



Fast News By Rikesh

1 110 members

Fastet News, News Chenal Vedio, And Live
News In Gujarati

- આ ચેનલ માં આપને તાજા સમાચાર, લાઈવ ન્યુઝ, બ્રેકીંગ ન્યુઝ, ન્યુઝ વિડિઓ મિનિટે મિનિટ ના તાત્કાલિક સમાચાર મેળવવા માટે નીચેની લિંક વડે જોડાવ.. અને...

[VIEW CHANNEL](#)

If you have **Telegram**, you can view and join
Fast News By Rikesh right away.



Master of PDF News Paper

2 998 members

- આ ટેલિગ્રામ ચેનલ પર રોજના 120 થી વધુ ગુજરાતી, હિન્દી અને અંગ્રેજી ન્યુઝ પેપર શેર કરવામા આવે છે.
- જોઈન થવા માટે આ લિંક પર ક્લિક કરો. તમારી પાસે જેટલા ગૃપો છે તેટલા બધા જ ગૃપો માં આ મેસેજ શેર ...

[VIEW CHANNEL](#)

If you have **Telegram**, you can view and join **Master of PDF News Paper** right away.






Hi Tech 4U

public channel



Join Our Channel For free Android Premium Apps , Computer Software, Movies, Tech News And More.... No West Time Join Now

आपके सुजाव या एडमिन से संपर्क की लिंक 
http://telegram.me/Contectforhelp_bot

Channel Joining Link   

@HiTech4U

t.me/HiTech4U



Notifications

On

Shared Media

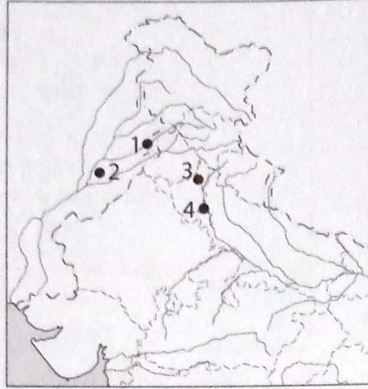
1440

Subscribers

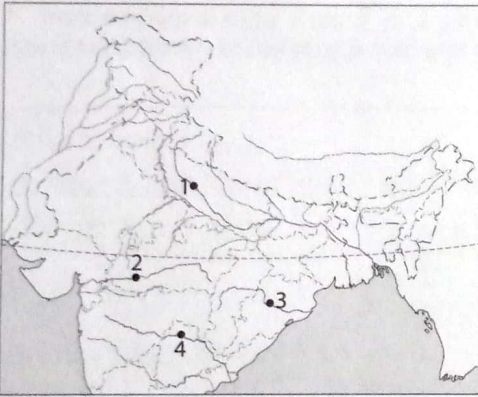
3484

4. मानचित्र में अंकित चार नगर 1, 2, 3, तथा 4 में से तीन महमूद गज़नी के साम्राज्य के अंश थे तथा एक नगर को लूटा गया था किन्तु साम्राज्य का अंश नहीं बनाया गया था। उस नगर का चयन करें जिसे लूटा गया था किन्तु साम्राज्य का अंश नहीं बनाया गया था।

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4

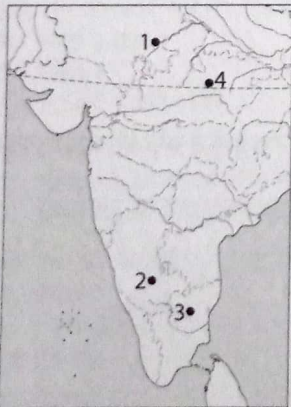


5. मानचित्र में अंकित नदियाँ 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सी नदी समुद्रगम के साम्राज्य की दक्षिणी परिसीमा चिह्नित करती है जिस पर उनका प्रत्यक्ष नियंत्रण था?



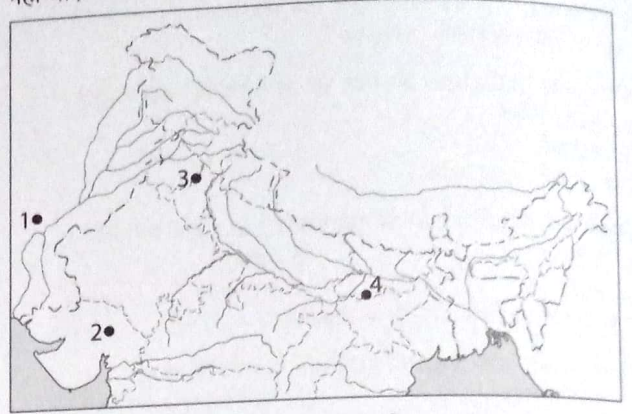
- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4

6. मानचित्र में सन् 750-1200 तक के चार क्षेत्रीय शासन दर्शाए गए हैं। निम्न में से सही अंक का चयन करें जो सही शासन से मेल खाती है:



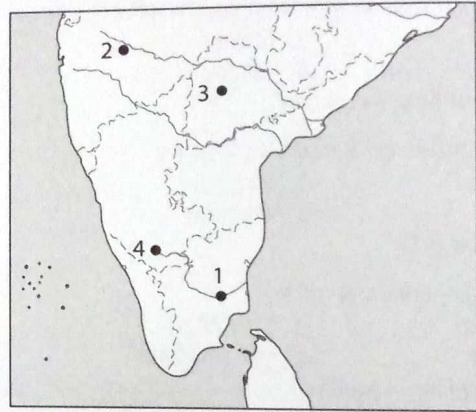
- क. 1: गुर्जर-प्रतिहार, 2: होयसल,
3: चोला, 4: चन्देल
ख. 1: होयसल, 2: चोला,
3: गुर्जर-प्रतिहार, 4: चन्देल
ग. 1: गुर्जर-प्रतिहार, 2: चन्देल,
3: होयसल, 4: चोला
घ. 1: चोला, 2: चन्देल,
3: गुर्जर-प्रतिहार, 4: होयसल

7. मानचित्र में अंकित नगर 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा नगर सिन्धु घाटी का अंश नहीं था?



- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4

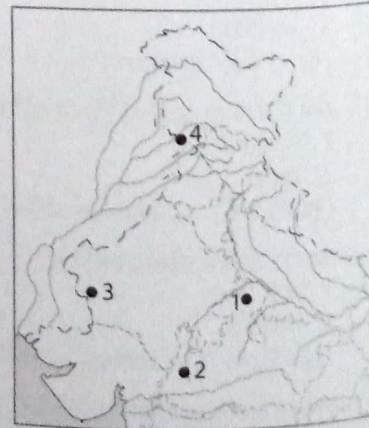
8. दक्षिण भारत (सन् 1335-1530) के मानचित्र में अंकित चार केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 विजयनगर साम्राज्य के नगर (x) अथवा बहमनी साम्राज्य के नगर (•) को दर्शाते हैं। निम्न में से नगर और उनके चिह्नों का सही मिलान करने वाले विकल्प का चयन करें।



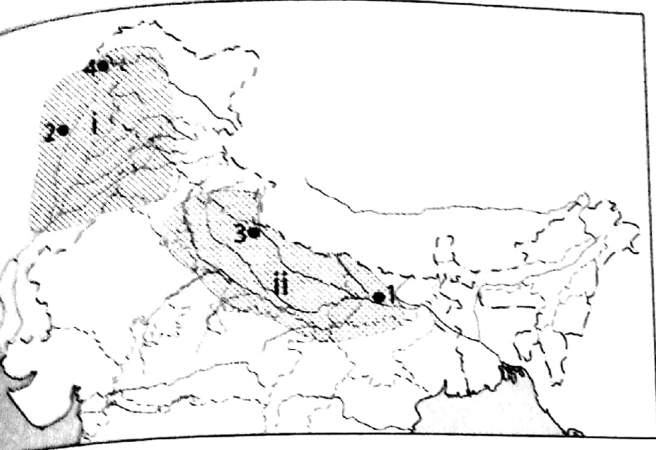
	i	ii	iii	iv
क.	•	•	x	x
ख.	•	x	•	x
ग.	x	•	•	x
घ.	•	x	x	•

9. मानचित्र में अंकित चार पौराणिक नगर 1, 2, 3, तथा 4 हैं जो अलाउद्दीन खिलजी के साम्राज्य का अंश थे। निम्न में सही विकल्प का चयन करें जो इन नगरों को साम्राज्य में इनके भौगोलिक दिशा के अनुसार उत्तर, दक्षिण, पूर्व तथा पश्चिम में व्यवस्थित करते हैं।

- क. उत्तर - सियालकोट
दक्षिण - ग्वालियर
पूर्व - मांडू
पश्चिम - अमरकोट
ख. दक्षिण - ग्वालियर
उत्तर - मांडू
पूर्व - अमरकोट
पश्चिम - सियालकोट
ग. उत्तर - सियालकोट
पूर्व - ग्वालियर
दक्षिण - मांडू
पश्चिम - अमरकोट
घ. पश्चिम - मांडू
उत्तर - अमरकोट
पूर्व - सियालकोट
दक्षिण - ग्वालियर

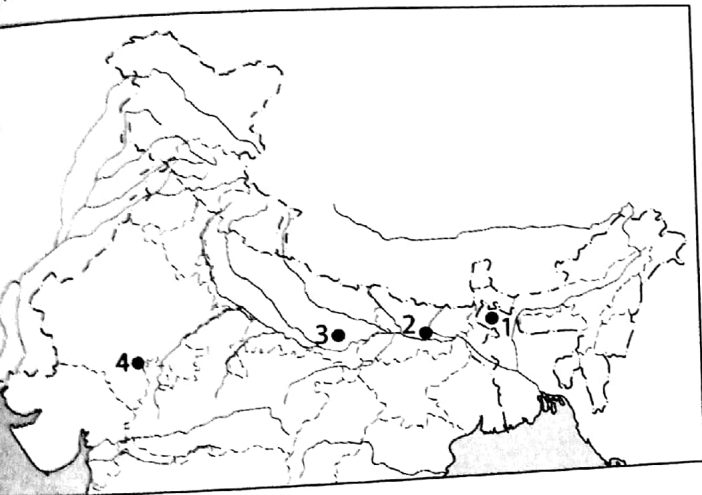


मानचित्र में चार साम्राज्य मगध, गांधार, कोसल तथा कम्बोजा 1, 2, 3, तथा 4 अंकित किये गए हैं जो क्रम रहित दर्शाए गए हैं। निम्न में सही विकल्प का चयन करें जो आच्छादित क्षेत्र i तथा ii में इन साम्राज्यों को अपने सही स्थान में दर्शाता है।



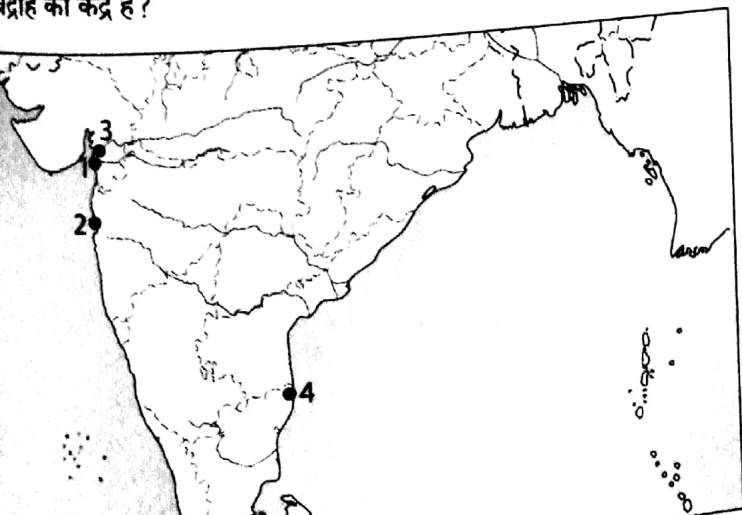
- i: 1. मगध, 2. गांधार, तथा
ii: 3. कोसल, 4. कम्बोजा
ii: 1. मगध, 3. कोसल
ii: 2. गांधार, 4. कम्बोजा
ii: 1. मगध, 2. गांधार

मानचित्र में अंकित महाजनपदों को पूर्व से पश्चिम की ओर जाते हुए सही क्रम में व्यवस्थित करें।



- i: 1. मगध, 2. काशी, 3: अंग, 4: कम्बोजा
ii: 1. मगध, 2: कम्बोजा, 3: अंग, 4: काशी
iii: 1. मगध, 2: अंग, 3: कम्बोजा, 4: काशी
iv: 1: अंग, 2: मगध, 3: काशी, 4: अवन्ती

मानचित्र में दर्शाये गए राष्ट्रीय आन्दोलन केन्द्रों में से कौन सा एकमात्र नौसैनिक विद्रोह का केंद्र है ?



13. मानचित्र में अंकित नदियाँ 1, 2, 3, तथा हैं:

- क. 1. सतलज, 2. झेलम, 3. रावी,
4. सिन्धु
ख. 1. झेलम, 2. सिन्धु, 3. रावी,
4. सतलज
ग. 1. सिन्धु, 2. सतलज, 3. रावी,
4. झेलम
घ. 1. सिन्धु, 2. रावी, 3. सतलज,
4. झेलम



14. मानचित्र में अंकित पौराणिक नगरों में से कौन सा नगर समुद्रगम के साम्राज्य का अंश नहीं था ?

- क. पाटलीपुत्र
ख. इन्द्रप्रस्थ
ग. वालाभी
घ. हैदराबाद

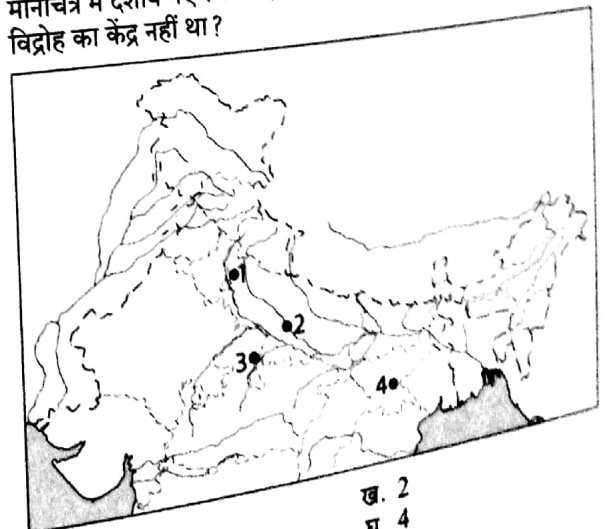


15. मानचित्र में अंकित आच्छादित क्षेत्र मध्य 19वीं सदी के राजसी प्रांत दर्शाते हैं। अंकित राज्य 1, 2, 3, तथा 4 का मिलान इनके सही नाम से करें:

- क. 1: त्रावणकोर, 2: मैसूर,
3: हैदराबाद, 4: राजपूताना
ख. 1: राजपूताना, 2: हैदराबाद,
3: मैसूर, 4: त्रावणकोर
ग. 1: मैसूर, 2: त्रावणकोर,
3: राजपूताना, 4: हैदराबाद
घ. 1: हैदराबाद, 2: त्रावणकोर,
3: मैसूर, 4: राजपूताना



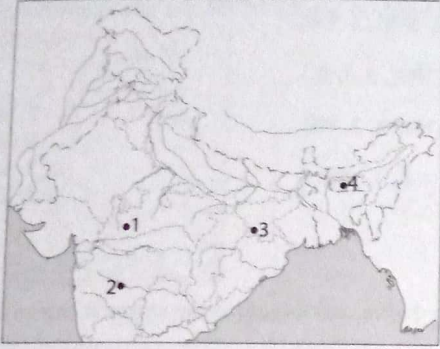
16. मानचित्र में दर्शाये गए स्थान 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा स्थान सन् 1857 के विद्रोह का केंद्र नहीं था ?



क. 1

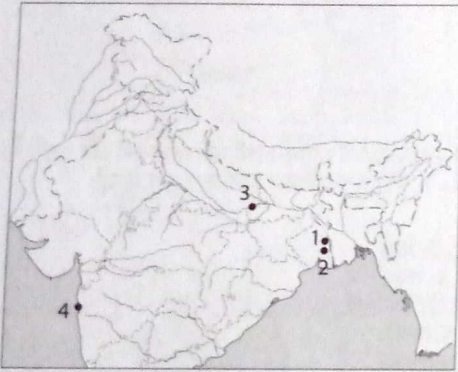
ख. 2
घ. 4

17. मानचित्र में दिए गए अंक सन् 1857 के पूर्व के जन-जातीय विद्रोह दर्शाते हैं। अंक 1, 2, 3, तथा 4 इनका प्रतिनिधित्व करते हैं:



- क. 1: भील, 2: कोली, 3: संथाली, 4: खासी
 ख. 1: भील, 2: मुण्डा, 3: संथाली, 4: खासी
 ग. 1: मेर, 2: मुण्डा, 3: संथाली, 4: खासी
 घ. 1: भील, 2: गोंड, 3: मुण्डा, 4: खासी

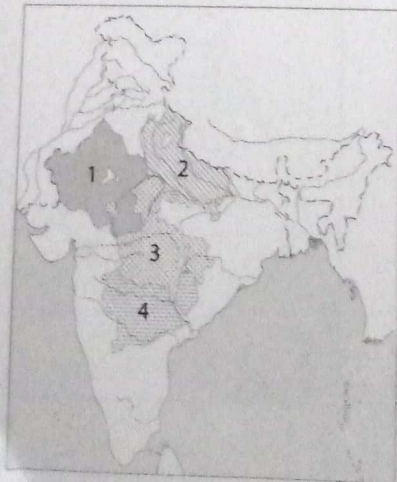
18. मानचित्र में 18वीं सदी के चार केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 युद्ध केंद्र (x) अथवा व्यापार केंद्रों (•) को दर्शाते हैं। निम्न में से नगर और उनके चिह्नों का सही मिलान करने वाले विकल्प का चयन करें।



	1	2	3	4
क.	•	•	x	x
ख.	•	x	•	x
ग.	x	•	•	x
घ.	•	x	x	•

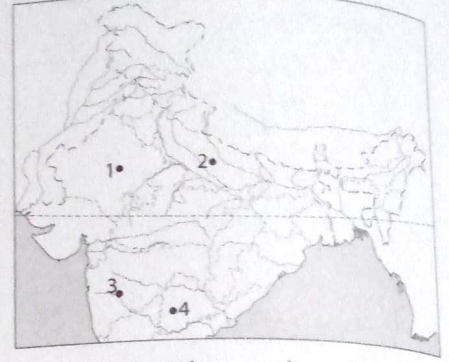
19. मानचित्र में स्वतन्त्रता के समय के भारत को दर्शाया गया है। इनमें आच्छादित एवं अंकित उस समय के चार बृहत् राज्य अथवा प्रांत से संबंधित हैं। संख्या 1, 2, 3, तथा 4 इनका प्रतिनिधित्व करते हैं:

- क. 1: राजपूताना
 2: संयुक्त प्रांत
 3: केन्द्रीय प्रांत
 4: हैदराबाद
 ख. 1: राजपूताना
 2: केन्द्रीय प्रांत
 3: पूर्वी राज्य
 4: हैदराबाद
 ग. 1: राजपूताना
 2: काठियावाड़
 3: केन्द्रीय प्रांत
 4: हैदराबाद
 घ. 1: राजपूताना
 2: संयुक्त प्रांत
 3: केन्द्रीय प्रांत
 4: मैसूर

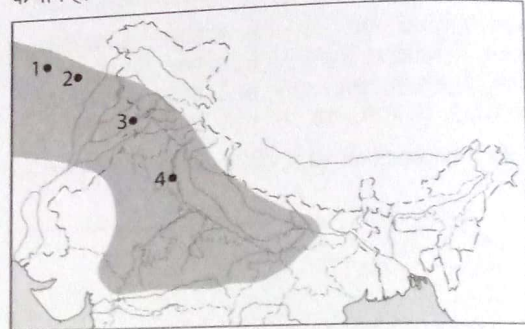


20. मानचित्र में अंकित नगर 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा नगर सन् 1680 में मुगल साम्राज्य का अंश नहीं था?

- क. 1
 ख. 2
 ग. 3
 घ. 4



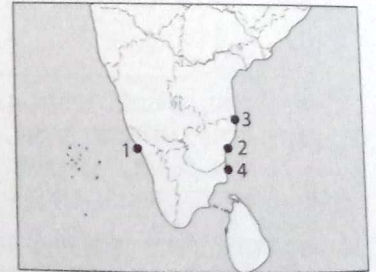
21. मानचित्र में अंकित नगर 1, 2, 3, तथा 4 बाबर के साम्राज्य के नगर थे। उन नगरों के नाम हैं:



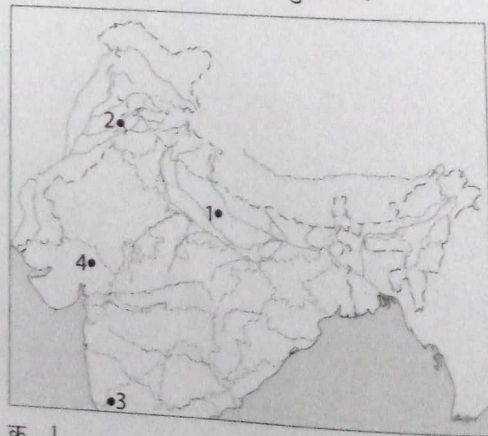
- क. 1: काबुल, 2: पेशावर, 3: लाहौर, 4: दिल्ली
 ख. 1: काबुल, 2: पटियाला, 3: लाहौर, 4: दिल्ली
 ग. 1: मुल्तान, 2: लाहौर, 3: पटियाला, 4: दिल्ली
 घ. 1: लाहौर, 2: पटियाला, 3: दिल्ली, 4: अजमेर

22. मानचित्र में अंकित चार नगरों 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन से 19वीं सदी के भारत में फ्रांसिसी क्षेत्र को नहीं दर्शाते?

- क. 1
 ख. 2
 ग. 3
 घ. 4



23. मानचित्र में अंकित क्षेत्रों में से किस स्थान पर सन् 1947 से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केवल एक अधिवेशन हुआ था?



- क. 1
 ग. 3
 ख. 2
 घ. 4

नवीनतम

ऑक्सफर्ड स्टूडेंट एटलस (भारत संस्करण)

ऑक्सफर्ड स्टूडेंट एटलस (भारत संस्करण) अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग से परिशुद्ध एवं सुलभ मानचित्र प्रस्तुत करता है। यह एटलस भारत की विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की अपेक्षाओं पर खरा उतरता है। एटलस का यह नवीनतम संस्करण पूर्णतः शोधित एवम आधुनिक है, तथा उन समस्त छात्रों की आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है जो संघ लोक सेवा आयोग, राजकीय लोक सेवा आयोग तथा अन्य परीक्षणीक संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

नवीन संस्करण की मुख्य विशेषताएं

1 प्राधिकृत स्रोतों से ली गई नवीनतम जन-सांख्यिकीय एवं सामाजिक-आर्थिक-राजनैतिक आँकड़ों का समावेश

2 प्राथमिक पृष्ठों में विभिन्न भौगोलिक संकल्पनाओं, जैसे मानचित्र एवं मानचित्र कला का इतिहास, मानचित्र प्रक्षेप, ऋतुएँ, ब्रह्मांड तथा पृथ्वी सहित कई नवीन तथा सूचनात्मक अभिलेखों का समावेश

3 सामयिक विषयों जैसे- जलवायु, वन्य-जीव, जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र एवं नम भूमि, ऊर्जा परियोजनाएँ, कृषि और खनिज उत्पादन, औद्योगिक क्षेत्र, जनसंख्या, मानव विकास, पर्यटन तथा सूचना तंत्र, विरासत, पर्यावरण संबंधी संकट एवं प्राकृतिक आपदाएँ, इत्यादि का उपयुक्त मानचित्रों द्वारा निरूपण

4 विश्वात्मक मानचित्रों में नवीनतम आँकड़ों पर आधारित उपयुक्त सांख्यिकीय लेखाचित्र

5 'भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास' पर आधारित २४ महत्वपूर्ण मानचित्र सम्मिलित

6 'विश्व-राष्ट्रीय ध्वज', 'विश्व-सांख्यिकी', 'विश्व-भौगोलिक तुलना', तथा 'विश्व-समय मण्डल' जैसे महत्वपूर्ण तथ्य एवं आँकड़े सम्मिलित

7 पूर्णतः नवीकृत एवं विस्तृत अनुक्रमणिका

परीक्षा-उन्मुख विशेषताएं

- प्रतियोगिता परीक्षाओं पर आधारित एक नवीन अनुभाग-अभ्यास प्रश्नावली
- अभ्यास प्रश्नावली को हल करने हेतु प्रासंगिक मानचित्रों तथा आँकड़ों के उपयुक्त संदर्भों का उल्लेखन
- मानचित्र पर आधारित प्रश्नों के हल हेतु एक सुबोध एवं आदर्श संदर्शिका

संलग्नक

स्थलाकृतिक मानचित्र (अंग्रेजी में)
संख्या 45 डी/7, पैमाना: 1:50,000
संख्या 45 डी/10, पैमाना: 1:50,000

सामान्य दीवारी मानचित्र (हिंदी में)
भारत: राजनैतिक (प्राकृतिक एवं जलवायु-संबंधी मानचित्रों सहित)
विश्व: राजनैतिक

OXFORD
UNIVERSITY PRESS

www.india.oup.com

ISBN 0-19-947431-1



9 780199 474318

₹ 245